Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 39
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 15 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

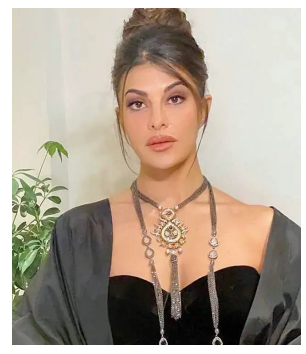

3 पशुधन पर विशेष ध्यान देकर ग्रामीण ...

4 कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें: ...

7 भारत के लिए खुशखबरी, पाकिस्तान के ...

संक्षिप्त न्यूज

सीजेआई सूर्यकांत बोले- जज परफेक्ट नहीं होते, खुद को अपूर्ण न मानना न्यायिक नेतृत्व के लिए ज्यादा खतरनाक

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को न्यायपालिका के पारंपरिक ढांचे और सोच को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की। दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ जूडिशियल एजुकेटर्स की 11वीं द्विवार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जज परफेक्ट या सर्वगुण संपन्न नहीं होते और इस बात को स्वीकार करना ही न्यायिक नेतृत्व की असली ताकत है।

गलती मानना कमजोरी नहीं, पेशेवर सुरक्षा है: सीजेआई

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायिक नेतृत्व को तब नुकसान नहीं पहुंचता जब जज अपनी कमियों को स्वीकार करते हैं, बल्कि नुकसान तब होता है जब जज यह दिखावा करते हैं कि वे कभी गलत नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा, 'इतिहास गवाह है कि सबसे सम्मानित न्यायिक नेता वे नहीं थे जिन्होंने खुद को दोषरहित दिखाया, बल्कि वे थे जो अपनी ज्ञान की सीमाओं को जानते थे और सुधार के लिए तैयार रहते थे।'

सीजेआई ने विनम्रता को एक व्यक्तिगत गुण के साथ-साथ एक पेशेवर सुरक्षा कवच बताया और जोर दिया कि इसे हर न्यायिक अधिकारी को सिखाया जाना अनिवार्य है।

तैयार उत्पाद नहीं हैं जज

कार्यक्रम की थीम न्यायिक नेतृत्व के लिए शिक्षा पर बात करते हुए सीजेआई ने पुरानी धारणाओं पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि नियुक्ति के बाद एक जज पूरी तरह से फिनिश्ड प्रोडक्ट (तैयार उत्पाद) बन जाता है, जिसे अब कुछ और सीखने की जरूरत नहीं।

सीजेआई ने कहा कि यह विचार भले ही संस्था की तारीफ करता हो, लेकिन यह सेवा नहीं करता।

असम में गरजे पीएम मोदी:

कांग्रेस ने की उपेक्षा, हमारे लिए उत्तरपूर्व 'अष्टलक्ष्मी' है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर अपने शासनकाल में पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार इस क्षेत्र को अष्टलक्ष्मी मानती है। एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार असम में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद में केंद्रीय बजट पेश होने के बाद यह असम की उनकी पहली यात्रा है। मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले केंद्रीय बजट पेश हुआ। बजट के बाद पूर्वोत्तर की यह मेरी पहली यात्रा है। कांग्रेस द्वारा उपेक्षित पूर्वोत्तर हमारी प्राथमिकता है और हम इसके विकास के लिए समर्पित हैं। हमारे लिए पूर्वोत्तर हमारी अष्टलक्ष्मी है। हमने पूर्वोत्तर को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस तो भारत को एक राष्ट्र मानने से भी इनकार करती है। जो लोग भारत माता के प्रति जरा सा भी सम्मान नहीं दिखाते, वे कभी भी देश के कल्याण के लिए काम नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जब भी पूर्वोत्तर का जिक्र होता था, लोगों को खराब बुनियादी ढांचे की याद आती थी। और आज यहां ऐसे राजमार्ग बन

रहे हैं जहां न केवल वाहन चल सकते हैं, बल्कि विमान भी उतर सकते हैं। यह गर्व का क्षण है। यह असम की बदलती भावना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान भाजपा कार्यकर्ता होना है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा ने जो भी ऊंचाइयां हासिल की हैं, उसका श्रेय हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। हमारा विश्वास संगठन में है। इसीलिए इतने सारे कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हम एक मंत्र से एकजुट हैं, और वह मंत्र है: भारत माता की जय।

मोदी ने कहा कि मैं गर्व से कहता हूं कि मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान यह है कि नरेंद्र मोदी भाजपा के कार्यकर्ता हैं। भाजपा कार्यकर्ता के रूप में, मैं असम में हमारे कार्यकर्ताओं और संगठन की शक्ति को नमन करता हूं और उन्हें प्रणाम करता हूं। मैं मां आदि शक्ति और मां कामाख्या को भी अनगिनत प्रणाम करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने पुलवामा आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज पुलवामा हमले की बरसी है। मैं भारत माता के उन वीर सपूतों को नमन करता हूं जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों को जिस तरह से दंडित किया, वह पूरी दुनिया ने देखा। कुछ लोग आज भी कांप रहे हैं। आपने ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ताकत देखी है। असम में इस साल के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे।

'युवाओं से छल, 10 लाख सरकारी पद खाली':

सुवेंदु अधिकारी ने ममता सरकार को घेरा; अफसरों को भी दी कड़ी चेतावनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर राज्य के युवाओं को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार बंगाल में बेरोजगारी के संकट को दूर करने में पूरी तरह विफल रही है।

2.15 करोड़ युवा बेरोजगार

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने दावा किया कि राज्य में इस समय 2.15 करोड़ से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में शुरू की गई 'युवाश्री' योजना को बंद कर दिया गया। इस योजना के तहत 17 लाख आवेदकों को भत्ता और नौकरी दी जानी थी, लेकिन 2017-18 के बाद से इसके लिए कोई फंड ही नहीं दिया गया।

10 लाख सरकारी पद खाली पड़े

अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जानबूझकर नौकरियां देने के रास्ते बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जानकारी है कि आवेदनों की लिस्ट को नष्ट किया गया हैं।' बीजेपी नेता ने यह भी बताया कि राज्य में करीब 10 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं। इनमें 3.58 लाख शिक्षकों के पद और 1.5 लाख पुलिस कांस्टेबल की भर्तियां शामिल हैं।

अधिकारियों को दी चेतावनी

सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के सरकारी अधिकारियों और बाबुओं को भी कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी चुनाव आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन करें, वरना उन्हें गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी राजनीतिक दबाव में आकर डोमिसाइल सर्टिफिकेट और पैन कार्ड बांटने जैसे गलत कामों में शामिल हैं।

घुसपैठ को बताया बड़ा खतरा

बीजेपी नेता ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा कि बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ राज्य के लिए एक बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश में हाल के राजनीतिक बदलावों से कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा मिल सकता है।

भारत-जापान और इंडोनेशिया की नौसेनाओं ने किया युद्धाभ्यास, सुरक्षा और सहयोग में बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। 13 फरवरी 2026 को भारत, जापान और इंडोनेशिया की नौसेनाओं ने अंडमान सागर में एक त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास किया। इस अभ्यास का मकसद तीनों देशों की नौसेनाओं की संयुक्त तैयारी, संचालन क्षमता और सहयोग बढ़ाना था। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास से सुरक्षित, स्थिर और मजबूत समुद्री क्षेत्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बता दें कि इससे पहले 11 फरवरी को भारतीय नौसेना ने कम्बाइन्ड टास्क फोर्स 154 (सीटीएफ 154) की कमान संभाली। यह एक बहु-राष्ट्रीय प्रशिक्षण टास्क फोर्स है, जो कम्बाइन्ड मेरिटाइम फोर्सेज (सीएमएफ) के तहत काम करता है। कमांड परिवर्तन समारोह बहरीन के मनामा में हुआ, जिसमें सीएमएफ के कमांडर वीएडीएम कर्ट ए रेनशॉ और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय नौसेना ने सीटीएफ-154 की कमान संभाली

भारतीय नौसेना के कमोडोर मिलिंद मोकाशी, शौर्य चक्र ने सीटीएफ 154 की कमान इटली की नौसेना के पूर्व कमांडर से औपचारिक रूप से संभाली। सीटीएफ 154 का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण है। यह टास्क फोर्स अवैध तस्करी, समुद्री डकैती और असामान्य प्रवासन जैसी आम समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

अमित शाह का राहुल गांधी पर बड़ा हमला, बोले- व्यापार समझौतों पर फैला रहे हैं भ्रम

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बचाव किया और कहा कि इन समझौतों से भारत के मछुआरों को काफी लाभ होगा। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि रायबरेली के प्रधानमंत्री ने इन व्यापार समझौतों के किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में झूठे दावे फैलाए हैं।

कराइकल में एक जनसभा में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूरोपीय संघ और इंग्लैंड के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते और

अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से हमारे देश के मछुआरों को बहुत लाभ होने वाला है। शाह ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के मछुआरों और किसानों को गुमराह करना चाहते हैं। वे झूठ बोलकर भ्रम फैलाना चाहते हैं। शाह ने रायबरेली सांसद से ऐसे बयान देने से पहले व्यापार समझौते और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बारीकियों की जांच करने का आग्रह किया। गृह मंत्री ने किसानों की सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे किसानों और पशुपालकों को शत प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम किया है। मनमोहन सिंह के शासनकाल में किसानों को नुकसान हुआ था। कई ऐसे वैश्विक समझौते हुए जिनमें किसानों के हितों की बलि दी गई। उन्होंने वर्तमान सरकार और पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों में अंतर पर जोर दिया। शाह ने गांधी के राजनीतिक दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी की नीति झूठ बोलना, जोर-शोर से सार्वजनिक रूप से झूठ बोलना और बार-बार झूठ दोहराना है। लेकिन इस देश की जनता ने अब आपके झूठ गढ़ने के कारखाने को पहचान लिया है। एक साहसिक भविष्यवाणी करते हुए शाह ने दावा किया कि आगामी चुनावों में जनता गांधी के कथन को नकार देगी। उन्होंने कहा कि 2029 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बनेगी; आपकी बारी नहीं आएगी।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव:

द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन में क्यों फंसा पेंच? सीटों के बंटवारे पर नई रार की अटकलें

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही द्रमुक और कांग्रेस के गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। दोनों दल अभी साथ हैं, लेकिन नेताओं के ताजा बयानों ने अंदरूनी तनाव को उजागर कर दिया है। मामला सिर्फ सीटों के बंटवारे तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार में हिस्सेदारी के सवाल पर भी टकराव दिख रहा है। इससे चुनाव से पहले गठबंधन की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं।

मंत्री के बयान से शुरू हुआ नया विवाद

विवाद की शुरुआत तब हुई जब तमिलनाडु सरकार में मंत्री राजा कन्नप्पन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि द्रमुक अगले विधानसभा चुनाव में 160 से 170 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और करीब 160 सीटें जीतने को लेकर भरोसे में है। इस बयान को कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोशल मीडिया पर उठाया और सवाल किया। उन्होंने लिखा कि 2021 में द्रमुक ने 173 सीटों

पर चुनाव लड़ा था और 133 सीटें जीती थीं, इसलिए जिन सीटों पर हार मिली, उनका हिसाब भी जरूरी है।

कांग्रेस ने सत्ता में हिस्सेदारी को बताया अधिकार

मणिकम टैगोर ने साफ कहा कि सत्ता में भागीदारी जरूरी है और यह कांग्रेस का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जनता तय करेगी कि सरकार गठबंधन की बनेगी या एक दल की। उनका बयान ऐसे समय आया है जब राज्य सरकार में कांग्रेस को मंत्री पद मिलने की चर्चाएं लगातार चलती रही हैं। कांग्रेस के कुछ नेता लंबे समय से सरकार में औपचारिक भागीदारी की मांग उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने गठबंधन सरकार से किया इनकार

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन जारी रहेगा, लेकिन सरकार में सत्ता साझेदारी का प्रावधान नहीं होगा। इस बयान के बाद कांग्रेस खेमे में नाराजगी की चर्चा तेज हुई। इसे कांग्रेस नेताओं की मंत्री पद की उम्मीदों पर सीधा ब्रेक माना गया।

2006 के चुनाव का उदाहरण देकर पलटवार

स्टालिन के बयान के बाद टैगोर ने फिर प्रतिक्रिया दी और कहा कि जनता ही तय करेगी कि सरकार का स्वरूप क्या होगा। उन्होंने 2006 के विधानसभा चुनाव का उदाहरण दिया, जब द्रमुक को 96 और कांग्रेस को 34 सीटें मिली थीं। उस समय पूर्ण बहुमत न होने पर गठबंधन के आधार पर सरकार बनी थी। टैगोर का संकेत था कि तब कांग्रेस को ज्यादा मजबूत सत्ता साझेदारी पर जोर देना चाहिए था।

कांग्रेस की 'हाथ' मजबूत, मल्लिकार्जुन खरगे ने जनता के विश्वास को सराहा

नई दिल्ली। तेलंगाना के नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने इन चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्ष को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस बड़ी जीत पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुशी जताते हुए इसे जनता के भरोसे की जीत बताया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को तेलंगाना में निकाय चुनावों में पार्टी की शानदार जीत की सराहना करते हुए कहा कि जनादेश लोगों के विश्वास को दर्शाता है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नगर निकाय चुनावों में जोरदार जीत हासिल की। वहीं, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य के 116 नगर निकायों में कुल 2,582 वार्ड में से कांग्रेस ने 1,300 से अधिक वार्ड में जीत हासिल की।

बीआरएस ने लगभग 700 वार्ड और भाजपा ने लगभग 275 वार्ड में जीत दर्ज की। नगर निकाय चुनाव 11 फरवरी को हुए थे। खरगे ने 'एक्स'

पर एक पोस्ट में कहा, "तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनावों में सराहनीय जीत के लिए कांग्रेस के प्रतिबद्ध जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को मेरा आभार। यह जनादेश लोगों के विश्वास को दर्शाता है।"

जिन सात नगर निगमों में चुनाव हुए, उनमें से कांग्रेस ने तीन में जीत हासिल की और एक में आगे है, जबकि भाजपा ने करीमनगर और निज़ामाबाद में अधिकतर सीट हासिल कीं। कोठागुडेम नगर निगम में कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

यह जीत मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़े बूस्टर के रूप में देखी जा रही है। जहाँ बीआरएस अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश में जुटी है, वहीं भाजपा ने कुछ शहरी केंद्रों (जैसे करीमनगर और निज़ामाबाद) में अपनी पकड़ मजबूत की है। कुल मिलाकर, स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के इस प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि राज्य की कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक नीतियों पर जनता ने अपनी मुहर लगा दी है।

तमिलनाडु में सीट साझेदारी पर कांग्रेस-द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम में विवाद, टैगोर बोले - सत्ता में हिस्सेदारी हमारा अधिकार

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के बीच सीट बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ गया है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पिछले चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा है कि शासन में हिस्सेदारी पार्टी का अधिकार है। यह मांग आगामी गठबंधन वार्ता में कड़े मोलभाव का संकेत मानी जा रही है, जो इंडिया गठबंधन की एकजुटता के लिए चुनौती बन सकती है।

द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु के मंत्री राजा कन्नप्पन की उस टिप्पणी का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी ने राज्य चुनाव में 170 सीटों पर चुनाव लड़कर 160 सीटें जीती थीं। टैगोर ने अपने वक्तव्य में कहा कि 2021 में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम ने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा और 133 सीटों पर जीत हासिल की। जिन सीटों पर हार हुई, वहां के प्रदर्शन पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सत्ता-साझाकरण आवश्यक है और शासन में हिस्सेदारी उनका अधिकार है। अंततः जनता ही निर्णय करेगी।

तमिलनाडु विधानसभा में 234 सीटें हैं। वर्ष 2021 के चुनाव में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम-कांग्रेस गठबंधन ने 151 सीटें जीती थीं। यह बयान आगामी विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच चल रही सीट बंटवारे की बातचीत के बीच आया है।

इससे पहले तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई ने कहा कि कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के बीच गठबंधन वार्ता 22 फरवरी से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गठबंधन से किसी को बाहर कर वोट बैंक विभाजित करना चाहती है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

व्यापार समझौते पर राहुल गांधी का फिर बड़ा हमला

'ट्रेड डील ने टेक्सटाइल उद्योग को खत्म कर दिया'

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगाया घेर रहे हैं। इसी के साथ वो लगातार टैरिफ का मुद्दा भी उठा रहे हैं। एक दिन पहले जहां राहुल गांधी ने किसान संघ के नेताओं से मुलाकात की। वहीं अब एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि इस व्यापार समझौते से देश का टेक्सटाइल उद्योग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा।

अपने वीडियो में राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसी के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कपास की खेती और कपड़ा क्षेत्र से संबंधित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में कपड़ा निर्यात पर शून्य फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया - 'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।'

नवी मुंबई के विद्यार्थियों ने 'हिंद-दी-चादर' अंतर्गत उपक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहीदी समागम शताब्दी के उपलक्ष्य में नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों एवं महाविद्यालयों में प्रभातफेरी, निबंध, चित्रकला, वक्तृत्व, घोषवाक्य आदि विविध उपक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सभी स्कूलों और महाविद्यालयों में प्रसिद्ध गायक सतिंदर सरताज द्वारा गाए गए समर्पित भक्ति गीतों का श्रवण तथा डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के तेजस्वी जीवनचरित्र का दर्शन जैसे विविध उपक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत 10 फरवरी से विभिन्न उपक्रमों की शुरुआत की गई है। आज न.मुं.पा. स्कूल क्रमांक 49, ऐरोलीगांव तथा पीएम श्री राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज विद्यालय, स्कूल क्रमांक 55, आंबेडकरनगर, रबाले में 'हिंद की चादर' यह चरित्रपट प्रदर्शित किया गया। साथ ही सतिंदर सरताज द्वारा गाया गया सुमधुर भक्ति गीत भी प्रस्तुत किया गया। ऐरोली स्कूल में बाबा विक्रमजीत सिंह, तेजिंदर सिंह, मुखविंदर सिंह, दारा सिंह, जसपाल सिंह आदि मान्यवर उपस्थित रहे। उन्होंने गुरुजी के कार्यों

की महिमा बताई तथा शहीदी समागम कार्यक्रम का महत्व विद्यार्थियों को समझाया।

न.मुं.पा. स्कूल क्रमांक 92, कुकशेतगांव के विद्यार्थियों ने परिसर में प्रभातफेरी निकालकर नारों तथा घोषणाफलक के माध्यम से कार्यक्रम का महत्व जनमानस तक पहुँचाया।

नेरुल पश्चिम स्थित न.मुं.पा. स्कूल क्रमांक 9, सेक्टर 15 कोपरखैरणे स्थित अस्मिता विशेष स्कूल, सेक्टर 3 ऐरोली स्थित श्रीराम विद्यालय तथा तुर्भे स्टोर स्थित न.मुं.पा. स्कूल क्रमांक 22 में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यशवंतराव चव्हाण कनिष्ठ महाविद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। साथ ही रा. फ. नाइक विद्यालय, खैरणे बोनकोडे; न.मुं.पा. स्कूल क्रमांक 22, तुर्भे स्टोर; तथा गुरु गोविंद सिंह एजुकेशन अकैडमी, नेरुल में आयोजित निबंध प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने उत्स्फूर्त सहभागिता दिखाई। एसजी पब्लिक स्कूल, घणसोली द्वारा घोषवाक्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की उत्साही भागीदारी देखने को मिली। नवी मुंबई महानगरपालिका शिक्षा विभाग की ओर से महानगरपालिका के स्कूलों सहित सभी निजी स्कूलों में श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहीदी समागम शताब्दी वर्ष के अवसर पर, महापालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में विविध उपक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के न.मुं.पा. समन्वय अधिकारी के रूप में अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार के नियंत्रण में तथा शिक्षा विभाग की उपआयुक्त श्रीमती संघरत्ना खिल्लारे द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम के अंतर्गत विविध उपक्रमों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश स्कूल-महाविद्यालयों के विद्यार्थी जनमानस तक पहुँचा रहे हैं।

रेलवे द्वारा 34 विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ाई जाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने 34 विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 04715 बीकानेर-साईनगर शिर्डी साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक शनिवार को 28.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 28.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 04716 साईनगर शिर्डी-बीकानेर साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक रविवार को 01.03.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 29.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 04725 हिसार-खड़की साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक रविवार को 22.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 29.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (5 फेरे)

ट्रेन संख्या 04726 खड़की-हिसार साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक सोमवार को 23.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 30.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (5 फेरे)

ट्रेन संख्या 09625 अजमेर-दौंड साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक गुरुवार को 26.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 26.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 09626 दौंड-अजमेर साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक शुक्रवार को 27.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 27.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 09627 अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक बुधवार को 25.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 25.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 09628 सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक गुरुवार को 26.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब इसे 26.03.2026 तक बढ़ाया गया है। (4 फेरे)

नोटः इन ट्रेनों के समय, मार्ग, संरचना एवं ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 04716, 04726, 09626 एवं 09628 के लिए बुकिंग 16.02.2026 से सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा वेबसाइट www.irctc.co.inपर अग्रिम आरक्षण अवधि (ARP) के अंतर्गत शुरू होगी।

ARP से आगे की यात्राओं के लिए बुकिंग संबंधित आगामी ARP तिथियों पर खुलेगी। अनारक्षित कोचों के लिए सामान्य शुल्क पर बुकिंग ळऊए प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है। यात्री टिकट बुकिंग के लिए RailOne ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव पर विस्तृत समय-सारणी के लिए [illegible] www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

मुंबई मेट्रो हादसाः

पिलर गिरने से एक की मौत,सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा एक्शन, जांच के आदेश और मुआवजे का ऐलान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान गिरे एक स्तंभ पर शोक व्यक्त किया और तत्काल जांच के आदेश दिए। इस घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राज्य सरकार ने मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है और घायलों के इलाज का खर्च भी सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक पोस्ट में लिखा कि मुंबई के मुलुंड इलाके में मेट्रो निर्माण के दौरान एक स्तंभ गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी और घायलों के इलाज का खर्च भी सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

एएनआई से बात करते हुए मुंबई के उप महापौर संजय घाडी ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पुष्टि की कि चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि दो लोगों की हालत गंभीर है और उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। एकनाथ शिंदे ने इस घटना का संज्ञान लिया है। वे इस मामले की जांच के आदेश देंगे और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी स्तंभ गिरने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

यह घटना महाराष्ट्र के मुलुंड में जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के पास निर्माण के दौरान एक सीमेंट के मेट्रो स्तंभ का एक हिस्सा गिरने से हुई, जो एक ऑटो-रिक्शा पर जा गिरा। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बताया कि मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है। अन्य घायल व्यक्तियों की पहचान राजकुमार इंद्रजीत यादव (45), जिनकी हालत गंभीर है, महेंद्र प्रताप यादव (52), और दीपा रुहिया (40) के रूप में हुई है, जिनकी हालत स्थिर है।

मध्य रेलवे द्वारा विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ाई जाएगी तथा इन्हें विशेष ट्रेन, होली स्पेशल और समर स्पेशल के रूप में चलाया जाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से मध्य रेलवे विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ाएगा तथा इन्हें विशेष ट्रेन, होली स्पेशल और समर स्पेशल के रूप में संचालित करेगा।

कुल 1448 ट्रिप्स संचालित की जाएंगी, जिनमें 328 होली स्पेशल ट्रिप्स, 148 विशेष ट्रिप्स और 972 समर स्पेशल ट्रिप्स शामिल हैं।

ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

साप्ताहिक ट्रेनें

ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक मंगलवार को 24.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब 03.03.2026 से 31.03.2026 तक होली स्पेशल ट्रेनों के रूप में, 07.04.2026 से 14.04.2026 तक विशेष ट्रेनों के रूप में तथा 21.04.2026 से 14.07.2026 तक समर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलाई जाएगी। (20 फेरे)

ट्रेन संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई-सोलापुर साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक बुधवार को 25.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब 04.03.2026 से 01.04.2026 तक होली स्पेशल ट्रेनों के रूप में, 08.04.2026 से 15.04.2026 तक विशेष ट्रेनों के रूप में तथा 22.04.2026 से 15.07.2026 तक समर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलाई जाएगी। (20 फेरे)

ट्रेन संख्या 01477 सोलापुर-अनकापल्ली साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक शुक्रवार को 27.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब 06.03.2026 से 27.03.2026 तक होली स्पेशल ट्रेनों के रूप में, 03.04.2026 से 10.04.2026 तक विशेष ट्रेनों के रूप में तथा 17.04.2026 से 10.07.2026 तक समर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलाई जाएगी। (19 फेरे)

ट्रेन संख्या 01478 अनकापल्ली-सोलापुर साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक शनिवार को 28.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब 07.03.2026 से 28.03.2026 तक होली स्पेशल ट्रेनों के रूप में, 04.04.2026 से 11.04.2026 तक विशेष ट्रेनों के रूप में तथा 18.04.2026 से 11.07.2026 तक समर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलाई जाएगी। (19 फेरे)

दैनिक ट्रेनें

निम्नलिखित दैनिक ट्रेनें, जो 28.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थीं, अब 15.07.2026 तक जारी रहेंगी। ये ट्रेनें 01.03.2026 से 31.03.2026 तक होली स्पेशल, 01.04.2026 से 14.04.2026 तक विशेष ट्रेनें तथा 15.04.2026 से 15.07.2026 तक समर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

ट्रेन संख्या 01461 सोलापुर-दौंड दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01462 दौंड-सोलापुर दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01465 सोलापुर-कलाबुरगी दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01466 कलाबुरगी-सोलापुर दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01487 हडपसर-हरंगुल दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01488 हरंगुल-हडपसर दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01024 कोल्हापुर-पुणे दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01023 पुणे-कोल्हापुर दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01211 बदनेरा-नाशिक दैनिक विशेष (137 फेरे)

ट्रेन संख्या 01212 नाशिक-बदनेरा दैनिक विशेष (137 फेरे)

नोटः इन सभी ट्रेनों के समय, मार्ग, संरचना एवं ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं होगा। आरक्षणः इन विशेष ट्रेनों (01478 को छोड़कर) के लिए बुकिंग 16.02.2026 से सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा वेबसाइट www.irctc.co.in पर अग्रिम आरक्षण अवधि के अंतर्गत शुरू होगी। ARP से आगे की यात्राओं के लिए बुकिंग संबंधित आगामी ARP तिथियों पर खुलेगी। अनारक्षित कोचों के लिए सामान्य शुल्क पर बुकिंग UTS प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है। यात्री टिकट बुकिंग के लिए RailOne ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव पर विस्तृत समय-सारणी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

रेलवे द्वारा एलटीटी-तिरुनेलवेली-एलटीटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से 6 अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ट्रेन संख्या 22629/22630 एलटीटी-तिरुनेलवेली-एलटीटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से 6 अतिरिक्त कोच जोड़ेगा। इसमें 1 एसी 2-टियर कोच, 4 एसी 3-टियर कोच और 1 शयनयान कोच शामिल हैं।

विवरण इस प्रकार हैःट्रेन संख्या 22629/22630 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस । पुरानी संरचना। 1 एसी-2-टियर, 2 एसी-3-टियर, 1 एसी-3-टियर इकोनॉमी, 6 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य। द्वितीय श्रेणी , 1 सेकंड सीटिंग और लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार - 16 एलएचबी कोच। संशोधित संरचना। 2 एसी-2-टियर, 6 एसी-3-टियर, 1 एसी-3-टियर इकोनॉमी, 7 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सेकंड सीटिंग और लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार - 22 एलएचबी कोच। ट्रेन संख्या 22629 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस संशोधित संरचना के साथ एलटीटी से दिनांक 16.04.2026 से चलेगी। ट्रेन संख्या 22630 तिरुनेलवेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस संशोधित संरचना के साथ तिरुनेलवेली से दिनांक 15.04.2026 से चलेगी। यात्री कृपया ध्यान दें। इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

खेत में काम कर रहे पति की जान बचाई, खुद करंट की चपेट में आकर हुई पत्नी की मौत

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर तालुका के शिंदेवाड़ी गांव में एक महिला ने अपने पति की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी. 38 साल की छाया दीपक खाडे ने बिजली के झटके से पीड़ित पति को मौत के मुंह से बाहर निकाला, लेकिन खुद बिजली के प्रवाह में फंसकर अपनी जान गंवा दी. इस घटना से पूरे इलाके में मातम छा गया है.

42 साल के दीपक खाडे शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे खेत में कुएं पर फसलों को पानी देने गए थे. इस दौरान बिजली पंप शुरू करने के लिए उन्होंने बिजली के बक्से पर बटन दबाया, तभी उन्हें अचानक बिजली का तेज झटका लगा, जिसके बाद छाया खाडे बिना एक पल की देरी किए दौड़कर वहां पहुंचीं. उन्होंने पति को जोर से धक्का देकर बिजली के संपर्क से दूर कर दिया. इससे दीपक खाडे एक बड़े संकट से बच गए, लेकिन छाया खुद बिजली के प्रवाह के घेरे में फंस गईं.

गंभीर हालत में छाया खाडे को तुरंत सिन्नर के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया. हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस घटना की पुलिस में आकस्मिक मौत के रूप में दर्ज की गई है और आगे की जांच चल रही है.

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई-निविदा सूचना

निविदा क्र.: BSL-L-W-T-12-2026, कार्य का विवरण: भुसावल (जीएस) - जनरल सर्विसज़ ईलेक्ट्रिकल पावर सप्लाई और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की रिलायबिलिटी बढ़ाने के लिए संवर्द्धन, प्रतिस्थापन और संशोधन। **अनुमानति लागत: ₹2,76,97,603** ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय: **10/03/2026 को 15:00 बजे,** वेबसाईड विवरण: www.ireps.gov.in

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 46

अलीबाग के विवादित वीडियो पर राहुल नार्वेकर की सफाई, बोले- झगड़ा शांत कराने की हुई थी कोशिश

दिव्यांश

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अपने वायरल वीडियो की सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनका किसी विवाद से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने केवल सड़क किनारे झगड़ रहे दो स्थानीय लोगों को आपसी समझ से मामला सुलझाने की सलाह दी थी।

नार्वेकर पर क्या लगा था आरोप?

दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया था कि अलीबाग के तटीय क्षेत्र में जमीन हड़पने की कोशिश हो रही है। उन्होंने दावा किया कि माहट्रोली गांव में एक परिवार के यहां शादी के दौरान कुछ लोग परिसर में घुसकर जमीन की माप करने लगे, जिस पर विवाद हुआ। वायरल वीडियो में एक महिला नार्वेकर के साथ मौजूद व्यक्ति पर हाथ उठाती दिखाई देती है और जमीन का जिक्र करती है। बाद में नार्वेकर एक महिला और एक पुरुष से बातचीत करते हुए नजर आते हैं, वहां से जाते हैं और फिर लौटकर दोनों पक्षों को झगड़ा न करने की सलाह देते हैं।

नार्वेकर ने क्या दी सफाई?

विवाद पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा विधायक नार्वेकर ने कहा कि वह कुछ दिन पहले अपने फार्महाउस जा रहे थे, तभी रास्ते में दो किसानों के बीच बहस होती देख रुके और उन्हें शांतिपूर्वक मामला सुलझाने की सलाह देकर आगे बढ़ गए। उन्होंने कहा कि इस विवाद से उनका किसी भी तरह का कोई लेना-देना नहीं है।

वीडियो में दिख रहे किसानों में से एक, रमेश पाटिल ने भी मीडिया से बातचीत में नार्वेकर का बचाव करते हुए कहा कि वह केवल वहां से गुजर रहे थे और झगड़ा शांत कराने की कोशिश कर रहे थे।

गौरतलब है कि दक्षिण मुंबई से फेरी द्वारा लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित अलीबाग अपने सुंदर समुद्रतट और फार्महाउस संस्कृति के कारण बीते दो दशकों में रियल एस्टेट हब के रूप में तेजी से उभरा है। कई उद्योगपतियों और बॉलीवुड हस्तियों के यहां फार्महाउस हैं।

इसी बीच, मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए पिछले महीने दाखिल हलफनामे में नार्वेकर के छोटे भाई मकरंद नार्वेकर द्वारा 2022 से 2025 के बीच अलीबाग क्षेत्र में 27 जमीन के टुकड़े खरीदे जाने का भी उल्लेख सामने आया है, जिससे इस विवाद को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना सं. – 04-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल में ट्रैक मशीन साइडिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹21,43,42,085.19, **बयाना जमा राशि:** ₹12,21,700/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** 12 महीने, **निविदा सूचना सं.** – 05-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के डीयूडी-डब्ल्यूडी सेक्शन में पुल संख्या 561/2 डीएन (स्पैन 3x5.6 मीटर), 577/1 डीएन (स्पैन 2x6.10 मीटर), 581/1 डीएन (स्पैन 2x6.10 मीटर) एवं 587/2 यूपीएंडडीएन (स्पैन 5x8.10 मीटर) पर बैरल की लंबाई बढ़ाने और रिटेनिंग वॉल, विंग वॉल एवं बैलास्ट रिटेनर के निर्माण द्वारा आर्च ब्रिज का सुधार। सोलापुर मंडल में 04 ओआरएन-3 ब्रिजेस (536/1ए, 589/2, 589/3 डीएन एसयूआर-डब्ल्यूडी सेक्शन एवं 427/3 केडब्ल्यूएम-एमआरजे सेक्शन) का पुनर्निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹20,07,47,848.46, **बयाना जमा राशि:** ₹11,53,700/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 18 महीने,**रखरखाव अवधि:** 48 महीने, **www.ireps.gov.in वेबसाइट पर कोटेड निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 04-2026-SrDENCo, 05-2026-SrDENCo – 05.03.2026 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 04-2026-SrDENCo, 05-2026-SrDENCo – 05.03.2026 को 15:30 बजे। संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले किसी भी परिवर्तन/संशोधन संबंधी जानकारी हेतु नियमित रूप से वेबसाइट पर विजिट करते रहें। **वेबसाइट: www.ireps.gov.in**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 02

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सं. – 07-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** 1. एडीईएन/ डब्ल्यू/एसयूआर उप-मंडल के अंतर्गत एसयूआर (टाइप-III 08 यूनिट्स एवं टाइप-IV 06 यूनिट्स) में पुराने क्वार्टरों के स्थान पर क्वार्टरों का निर्माण। २. एडीईएन/केएलबीजी एवं एडीईएन/डब्ल्यू/ एसयू आर उप–मंडल के अंतर्गत डब्ल्यूडी (टाइप-III 04 यूनिट्स), एसडीबी (आरबी-II 4 यूनिट्स एवं टाइप-III 02 यूनिट्स), एमआर (टाइप-II 04 यूनिट्स) एवं एनजीएस (टाइप-II 04 यूनिट्स) में पुराने क्वार्टरों के स्थान पर क्वार्टरों का निर्माण। 3 . एडीईएन/डब्ल्यू/ एसयूआर के अंतर्गत एसयूआर (टाइप-III 08 यूनिट्स), डब्ल्यूडीएस (टाइप-II 04 यूनिट्स), एमए (टाइप-II 04 यूनिट्स) एवं एमवीई (टाइप-II 04 यूनिट्स) के नए क्वार्टरों का निर्माण। 4. एडीईएन/डब्ल्यू/एसयूआर के अंतर्गत एचजी (टाइप-II 8 यूनिट्स एवं टाइप-III 2 यूनिट्स), डीयूडी (टाइप-II 4 यूनिट्स) एवं एकेओआर (टाइप-II 4 यूनिट्स) में नए क्वार्टरों का निर्माण। 5. जेऊर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म-1 का विस्तार, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार एवं भीड़ प्रबंधन के लिए पानी के स्टैंडों का संवर्धन। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹21,79,46,514.21, **बयाना जमा राशि:** ₹12,39,700/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** 24 महीने, **निविदा सं.** – 08-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** 1. त्योहारों के दौरान सोलापुर स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन हेतु उचित बाड़ (फेंसिंग) के साथ कवर शेड, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं की व्यवस्था। 2. केएलबीजी स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ प्रबंधन हेतु गाड़ी में पानी भरने की सुविधा एवं सभी यात्री सुविधाओं सहित होल्डिंग क्षेत्र की व्यवस्था। 3. केडब्ल्यूवी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सतह (प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 तथा प्लेटफॉर्म 3 एवं 4) का सुधार, प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 पर सीओपी के प्रावधान पर रिटायरिंग रूम की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म 1 पर आरपीएफ पोस्ट तथा प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 पर शौचालय ब्लॉक का निर्माण। 4. यूएमडी स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन हेतु प्लेटफॉर्म-2 (एमएल से एचएल) को ऊंचा करना, प्लेटफॉर्म-1 पर शौचालय ब्लॉक का निर्माण एवं बुकिंग कार्यालय का संवर्धन। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹27,24,46,815.62, **बयाना जमा राशि:** ₹15,12,200/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** 24 महीने, **www.ireps.gov.in वेबसाइट पर कोटेड निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 07-2026-SrDENCo, 08-2026-SrDENCo – 11.03.2026 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 07-2026-SrDENCo, 08-2026-SrDENCo– 11.03.2026 को 15:30 बजे। भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले किसी भी परिवर्तन/संशोधन संबंधी जानकारी हेतु नियमित रूप से वेबसाइट पर विजिट करते रहें। **वेबसाइट: www.ireps.gov.in**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 04

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सं. – 03-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल में फॉर्मेशन चौड़ाई का मानकीकरण – 213.2 टीकिमी, डीडी–केडब्ल्यूवी सेक्शन में टीबीआर कार्य – 32.6 किमी, कुर्डुवाडी–लातूर सेक्शन में टीबीआर कार्य – 23.00 टीकिमी तथा Sr.DEN(C) के क्षेत्राधिकार में 37 स्थानों पर टी/आउट डीप स्क्रीनिंग। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹34,58,01,196.44, **बयाना जमा राशि:** ₹18,79,000/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** शून्य, **निविदा सं.** – 06-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए कुर्डुवाडी (बीजी) उप–मंडल, दौंड (छोड़कर) से कुर्डुवाडी (सहित), जिसमें कुर्डुवाडी कार्यशाला ढवलस, भालवानी, पोपलाज, वाशिंबे, पारेवाड़ी, जिन्टी, माल्थान, बोरीबेल, भिगवण, केत्तूर, जेऊर, केम आदि शामिल हैं, के लिए जोन 'बी' हेतु वार्षिक अनुभागीय अनुबंध (एनुअल सेक्शनल कॉन्ट्रैक्ट)। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'सी' ADEN(W)SUR उप–मंडल, कुर्डुवाडी (छोड़कर) से दुधनी (सहित), जिसमें वडशिंगे, माढा, अनगर, वाकाव, मलिकपेठ, मोहोल, बाले, अक्कलोट रोड, पाकनी, टिलाटी, होटगी आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'डी' ADEN/KLBG उप–मंडल, दुधनी (छोड़कर) से वाड़ी (सहित), जिसमें शहाबाद, मरतुर, हिरेनंदुरु, कलबुरगी, बबलाद, कुलाली, ताजसुल्तानपुर आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष 2026-27, 2027-28 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'ई' ADEN/LUR उप–मंडल, कुर्डुवाडी (छोड़कर) से लातूर रोड (छोड़कर), जिसमें शेंदरी, कलमरोड, हरंगुल, ढोकी, येडशी, धाराशिव, बारसी टाउन, पांगरी, लातूर आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'एफ' ADEN/PVR उप–मंडल, कुर्डुवाडी (छोड़कर) से मिरज (छोड़कर), जिसमें पंढरपुर, मोडलिंब, सांगोला, जत रोड, ढालगांव, सलगरे, कौठे महाकाल, अरग आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30) एवं एसयूआर गुड्स शेड के रखरखाव, मरम्मत एवं सफाई के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹41,30,93,445.20, **बयाना जमा राशि:** ₹22,15,500/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 48 महीने, **रखरखाव अवधि:** 06 महीने।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 03

पशुधन पर विशेष ध्यान देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जा रहा है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री ने 'महा पशुधन एक्सपो 2026' का किया दौरा, मंत्री पंकजा मुंडे ने 'पशुधन उद्यमी' योजना की घोषणा की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

परली वैजनाथ (दिनांक 14): 'हमारी माता और हमारी माटी ही हमारा सच्चा प्रेम है। जैसे शिवशंभू के दर्शन से पहले नंदी की पूजा करना हमारी संस्कृति है, उसी प्रकार पशुधन पर विशेष ध्यान देकर हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। तकनीक के समावेश से यह क्षेत्र वैश्विक स्तर पर दूध उत्पादन में महाराष्ट्र को अग्रणी बनाएगा,' ऐसा विश्वास राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस परली में अंबेजोगाई रोड से सटे ओपाले मैदान में पशुसंवर्धन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'महा पशुधन एक्सपो' का निरीक्षण करने के बाद बोल रहे थे। इस अवसर पर पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे, विधायक धनंजय मुंडे, विधायक रत्नाकर गुट्टे, पशुसंवर्धन विभाग के सचिव (पदुम) डॉ. रामास्वामी एन., आयुक्त डॉ. प्रविण कुमार देओरे, संभागीय आयुक्त जितेंद्र पापलकर, जिलाधिकारी विवेक जॉनसन, जि.प. मुख्य कार्यकारी अधिकारी विलास जाधव, महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. नितिन पाटील, पशुसंवर्धन विभाग के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. शीतलकुमार मुकाने, निजी सचिव मंदर वैद्य, अपर जिलाधिकारी अश्विनी सोनावणे, उपविभागीय अधिकारी अरविंद लाठकर, तहसीलदार वेंकटेश मुंडे, पशुसंवर्धन विभाग के संयुक्त आयुक्त तथा बड़ी संख्या में पशुपालक किसान उपस्थित थे।

'जलवायु जोखिम' से कृषि को मिलेगा संरक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह प्रदर्शनी सूखाग्रस्त कृषि में जलवायु जोखिम को कम करने के लिए उठाया गया एक रणनीतिक कदम है। यदि फसल नष्ट होती है तो पशुधन किसान के लिए सहारा बनता है। इसी कारण हमने केवल धार्मिक महत्व ही नहीं, बल्कि इसके आर्थिक योगदान को ध्यान में रखते हुए गाय को 'राज्यमाता' का दर्जा दिया है।'

तकनीक की खबरें: एआई और एम्ब्रियो ट्रांसफर

डेयरी उद्योग में अंतर को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'पंजाब में एक गाय 10-15 लीटर दूध देती है, जबकि हमारे यहां 2.5 लीटर के इस अंतर को भरने के प्रयास जारी हैं। पशुधन संरक्षण, स्वास्थ्य, सटीक निगरानी और उत्पादकता बढ़ाने के लिए 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन' का उपयोग किया जाएगा। एम्ब्रियो ट्रांसफर और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन तकनीक से उच्च गुणवत्ता वाले बछड़ों का उत्पादन बढ़ाकर दूध उत्पादन में वृद्धि की जाएगी। इसके लिए विदर्भ-मराठवाड़ा में 'मदर डेयरी' के साथ समझौता भी किया गया है।'

अफवाहों पर विश्वास न करें

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रखा है। भारत-अमेरिका समझौते में सोयाबीन या कपास के आयात का कोई उल्लेख नहीं है। इसलिए किसानों को इस तरह की अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए कि विदेशी माल आएगा और कीमतें गिरेंगी,' मुख्यमंत्री ने अपील की। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री ने कहा कि अब अमेरिका का विशाल बाजार भारतीय किसानों के लिए खुल गया है।

गांव का युवा बनेगा 'पशुधन उद्यमी': पंकजा मुंडे

पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा, 'हम शीघ्र ही 'मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन उद्यमिता योजना' शुरू कर रहे हैं, ताकि गांव का युवा केवल नौकरी के पीछे न भागे, बल्कि मालिक बने। महिलाओं को करोड़पति बनाने के लिए सरकार शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध करा रही है।' महाराष्ट्र पशुसंवर्धन को कृषि का दर्जा देने वाला देश का पहला राज्य भी है। मंत्री मुंडे ने यह दर्जा देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

पूर्व मंत्री एवं विधायक धनंजय मुंडे ने बीड और परली के विकास के लिए स्थायी निधि उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

विजेताओं का गौरव

इस अवसर पर अहिल्यादेवी होलकर बकरी-भेड़ पालन योजना के विजेताओं तथा गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त किसानों को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने पशुसंवर्धन विभाग की पत्रिका 'महापशुधन वार्ता' के 10वें अंक का विमोचन किया तथा विभाग के 'कैलेंडर 2026' का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने 'महा पशुधन एक्सपो 2026' में महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका उन्नयन मिशन (उमेद) के अंतर्गत पात्र महिला स्व-सहायता समूहों को प्रतीकात्मक रूप से ऋण वितरित किए। जिरेवाड़ी, तालुका परली की तुलजाई महिला स्व-सहायता समूह को ?15,00,000 का ऋण वितरित किया गया।

विश्वस्तरीय वस्त्र शिल्प और सांस्कृतिक संग्रहालय की स्थापना को गति

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना साकार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भायखला क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक इंडिया यूनाइटेड मिल परिसर में अत्याधुनिक वस्त्र, शिल्प एवं सांस्कृतिक संग्रहालय परियोजना की स्थापना के कार्य को गति मिली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना और पहल से विकसित यह परियोजना शीघ्र ही साकार होने जा रही है तथा इस संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

यह भव्य परियोजना मुंबई की समृद्ध वस्त्र विरासत के संरक्षण, पुनर्जीवन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के उद्देश्य से शुरू की गई है। मुंबई महानगरपालिका, नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन (एनटीसी) और जिंदल साउथ वेस्ट (जेएसडब्ल्यू) फाउंडेशन के सहयोग से इस परियोजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। लगभग चार हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले मिल परिसर को विश्वस्तरीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

परियोजना में आकर्षक दीर्घाएं, कला स्टूडियो, प्रस्तुति स्थल, ओपन-एयर मूर्तिकला उद्यान, रेस्टोरेंट एवं कैफे, कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग खंड जैसी बहुउद्देश्यीय एवं आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। पुराने मिल की ऐतिहासिक औद्योगिक विरासत को संरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक सांस्कृतिक वातावरण के साथ संयोजित कर संग्रहालय को 'लिविंग म्यूजियम' के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस परियोजना का संपूर्ण कार्य जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन द्वारा गैर-लाभकारी आधार पर किया जा रहा है, तथा संग्रहालय से होने वाली आय का उपयोग रखरखाव और सार्वजनिक कार्यों के लिए किया जाएगा।

जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन ने स्पष्ट किया है कि यह परियोजना मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा प्रस्तुत 'शहरी विरासत संरक्षण और सांस्कृतिक पुनरुत्थान' की परिकल्पना का समर्थन करती है। यह परियोजना मुंबई की भुला दी गई मिलों की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण शहरी पुनरुद्धार का आदर्श उदाहरण भी बनेगी। परियोजना को और गति देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे समयबद्ध रूप से नियोजित करने तथा सभी संबंधित विभागों से सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इस उद्देश्य की शीघ्र पूर्ति हो सके।

'हिंद-दी-चादर' के अवसर पर नवी मुंबई में व्यापक गहन स्वच्छता अभियान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम शताब्दी के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका के घन कचरा प्रबंधन विभाग की ओर से व्यापक स्वच्छता अभियानों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है तथा जनसहभागिता पर विशेष जोर देते हुए राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित किया जा रहा है।

इसी क्रम में नगर आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे साहेब के मार्गदर्शन में तथा 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम के अंतर्गत, अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार के नियंत्रण में, घन कचरा प्रबंधन के उप आयुक्त डॉ. अजय गाडे, क्षेत्र 1 के उप आयुक्त श्री सोमनाथ पोत्रे, बेलापुर विभाग के सहायक आयुक्त श्री प्रशांत नेरकर, मुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री राजेंद्र इंगले के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

आज दिवाले जेट्टी परिसर में समुद्र तट की गहन सफाई के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर उप आयुक्त डॉ. अजय गाडे, उप मुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री नरेश आंधेर, स्वच्छता अधिकारी श्री राजूसिंह चव्हाण एवं श्रीमती सुषमा पवार (स्वच्छता निरीक्षक) के साथ-साथ विद्या प्रसारक हाई स्कूल के एनएसएस विद्यार्थी, दिवाले गांव के नागरिक तथा स्वच्छता दूत बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसी प्रकार सानपाड़ा गुरुद्वारा परिसर, घनसोली पाम बीच रोड परिसर, तुर्भे स्थित विवांता होटल परिसर, वाशी विभाग के जुहुगांव पार्किंग एवं सेक्टर 10 गुरुद्वारा परिसर, बेलापुर दारावेगांव शिव मंदिर परिसर, गावदेवी मैदान परिसर आदि विभिन्न स्थानों पर भी जनसहभागिता के साथ गहन स्वच्छता अभियान चलाए गए। इसके माध्यम से 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम के अवसर पर सेवा भाव को संजोते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रदर्शन किया गया।

एनसीपी के विलय को लेकर संजय राउत का बड़ा दावा, कहा- शरद पवार के फिर राज्यसभा जाने पर एमवीए करेगा मंथन

मुंबई। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इस बारे में चर्चा करेगा। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय को लेकर कहा कि दोनों दलों को विलय संभव नहीं है।

'शरद पवार को 60 वर्षों का अनुभव'

संजय राउत ने कहा, 'मैंने शरद पवार साहब से बात की। मैंने इस बारे में उनकी राय पूछी (क्या वह राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे)। उन्होंने मुझे बताया कि वह राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने मुझे बता दिया है।' संजय राउत ने आगे कहा कि शरद पवार देश के एक वरिष्ठ राजनेता हैं, जिन्हें लगभग 60 साल का कानूनी अनुभव है।

आगामी राज्यसभा चुनाव पर एमवीए करेगा मंथन

संजय राउत ने कहा कि पवार साहब ने कांग्रेस को अपनी स्थिति बता दी है कि वह राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। बता दें कि, शरद पवार गुट की एनसीपी एसपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सेना शिवसेना यूबीटी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'अब एमवीए के नेता एक साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे।' बता दें कि, शरद पवार समेत सात सदस्य अप्रैल में राज्यसभा से रिटायर हो रहे हैं। एमवीए अपनी कम संख्या के कारण एक उम्मीदवार को राज्यसभा भेज सकता है। शरद पवार 1967 से महाराष्ट्र विधानसभा के दोनों सदनों या संसद में लगातार मौजूद रहे हैं।

एनसीपी के विलय होने की संभावना नहीं'

संजय राउत ने यह भी दावा किया कि दोनों एनसीपी दलों के विलय होने के संभावना बहुत कम हैं। इससे पहले, 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में एक प्लेन क्रैश में अजित पवार की मौत के बाद, शरद पवार ने दावा किया था कि उनके दिवंगत भतीजे की इच्छा थी कि एनसीपी के दोनों ग्रुप एक हो जाएं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार के दावे को लगभग खारिज कर दिया था, यह कहते हुए कि अगर विलय की बातचीत सच में चल रही होती, तो अजित पवार ने उनके साथ जानकारी साझा की होतीं। एनसीपी नेताओं ने इशारा किया है कि ऐसे एक होने की उम्मीद बहुत कम है।

अजित पवार पर लेख को लेकर टकराव, विलय का मुद्दा खत्म

दिवंगत नेता अजित पवार पर लिखे गए एक लेख को लेकर एनसीपी और एनसीपी एसपी (शरद पवार गुट) के बीच विवाद तेज हो गया है। एनसीपी नेता आनंद परांजपे ने लेख की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें अजित पवार की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। उन्होंने मांग की कि इस पर माफी मांगी जाए। वहीं एनसीपी एसपी नेता शशिकांत शिंदे, जिन्होंने यह लेख लिखा था, ने कहा कि उन्होंने कोई आरोप नहीं लगाया, बल्कि सिर्फ यह लिखा कि अजित पवार पार्टी में हुई टूट को सुधारना चाहते थे। शिंदे ने यह भी कहा कि दोनों गुटों के विलय का मुद्दा अब बंद हो चुका है और उनकी पार्टी अब संगठन मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। दूसरी ओर एनसीपी नेताओं का कहना है कि फिलहाल मर्जर पर कोई चर्चा नहीं हो रही है और ऐसे मुद्दे उठाना राजनीतिक रूप से गलत समय पर है।

बेशुद्ध अवस्था में मिले अज्ञात व्यक्ति की मौत, जांच जारी

मुंबई । 13 जनवरी को सुबह करीब 9.30 बजे, दादर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड के समीप पत्रा के पास एक अज्ञात व्यक्ति बेशुद्ध अवस्था में पड़ा हुआ पाया गया। सूचना मिलने पर दादर मोबाइल-1 पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा उक्त व्यक्ति को तत्काल उपचार हेतु सायन अस्पताल ले जाया गया।

सायन अस्पताल के चिकित्सक द्वारा जांच के उपरांत सुबह लगभग 10.40 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके पश्चात दादर पुलिस थाना में अपमृत्यु क्रमांक 03/2026, धारा 194 भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है।

बेवारस/अज्ञात मृतक का हुलिया

रंगः सांवला

कदः लगभग 5.5 फीट

कद-काठीः मध्यम

चेहराः लंबा

नाकः सीधी

बाल/दाढ़ीः मौजूद

पहचान चिन्ह

दाहिने हाथ में दो कड़े

अन्य कोई विशेष पहचान चिन्ह नहीं

कपड़े

शर्टः लाल रंग की चौखानों/पट्टेदार शर्ट

पैंटः काली फॉर्मल पैंट

संपर्क सूत्र

दादर पुलिस थाना

फोनः 022-24303654, 022-24227229

पो. उपनि. चव्हाणः 8007301861

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति मृतक की पहचान से संबंधित जानकारी रखता हो, तो उपरोक्त संपर्क नंबरों पर तुरंत सूचित करें।

अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के पुरस्कारों के लिए 21 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले महात्मा बसवेश्वर सामाजिक समता-शिवा पुरस्कार, नटराज पुरस्कार, विश्वकर्मा पुरस्कार तथा क्रांतिवीर राजे उमाजी नाइक पुरस्कार (वर्ष 2025-26) के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले इच्छुक व्यक्तियों एवं संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसके लिए वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं से आवेदन मांगे जा रहे हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, मुंबई शहर के सहायक निदेशक श्री प्रसाद खैरनार ने 21 फरवरी 2026 तक आवेदन करने का आवाहन किया है।

पुरस्कार के लिए शर्तें एवं नियम इस प्रकार हैं: आवेदक व्यक्ति या संस्था महाराष्ट्र राज्य की निवासी होनी चाहिए। आवेदक ने संबंधित समाज के उत्थान हेतु शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक अथवा अन्य क्षेत्रों में निरंतर एवं उल्लेखनीय कार्य किया हो। आवेदन निर्धारित प्रपत्र में किया जाना आवश्यक है तथा शासन निर्णय में उल्लिखित सभी आवश्यक दस्तावेज, कार्य का विस्तृत प्रतिवेदन, अनुशंसा पत्र एवं प्रमाणपत्र आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। अपूर्ण, गलत जानकारी वाले अथवा अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रस्तावों पर किसी भी स्थिति में विचार नहीं किया जाएगा। पुरस्कार के संबंध में अंतिम निर्णय शासन स्तर पर लिया जाएगा तथा इस विषय में किसी भी प्रकार का पत्राचार नहीं किया जाएगा।

आवेदन प्रपत्र, शासन निर्णय की विस्तृत शर्तें एवं नियम तथा पुरस्कारों से संबंधित अधिक जानकारी सहायक निदेशक, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण, मुंबई शहर (चौथा तल, नया प्रशासकीय भवन, आर.सी. चेंबूरकर मार्ग, चेंबूर पूर्व-400071) के कार्यालय में उपलब्ध है। संबंधित पुरस्कारों के प्रस्ताव 21 फरवरी 2026 को शाम 5 बजे तक इस कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए। पात्र एवं इच्छुक व्यक्तियों तथा संस्थाओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आग्रह प्रेस विज्ञप्ति में किया गया है।

शिवाजी महाराज-टीपू सुल्तान की तुलना पर सियासी बवाल, हर्षवर्धन सपकाल के बयान पर भड़के सीएम फडणवीस

नागपुर / बुलढाणा। महाराष्ट्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के एक बयान को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल हर्षवर्धन सपकाल ने छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के 18वीं सदी के शासक टीपू सुल्तान को लेकर तुलना जैसी बात कही, जिसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी नाराजगी जताई और बयान को शर्मनाक बताया।

सपकाल ने क्या कहा था?

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बुलढाणा में पत्रकारों से बात कर रहे थे। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब मालेगांव नगर निगम के उपमहापौर के दफ्तर में टीपू सुल्तान की तस्वीर को लेकर विरोध चल रहा था। इस पर सपकाल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य का विचार दिया और टीपू सुल्तान ने भी अंग्रेजों के खिलाफ उसी तरह लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि इस मायने में टीपू सुल्तान को बहादुर योद्धा और भारत का 'भूमिपुत्र' माना जा सकता है। सपकाल ने 'समकक्ष' शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि टीपू सुल्तान को वीरता के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि शिवाजी महाराज की वीरता बेजोड़ है, और टीपू सुल्तान ने उन्हें आदर्श मानकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

सीएम फडणवीस की कड़ी प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र इस तरह की तुलना कभी स्वीकार नहीं करेगा। इसके लिए उन्होंने सपकाल को माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस से भी इस मामले पर अपना रुख साफ करने को कहा।

कांग्रेस की सफाई और पलटवार

कांग्रेस नेता अतुल लोंढे ने भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा जानबूझकर 'समकक्ष' शब्द को मुद्दा बनाकर साम्प्रदायिक तनाव पैदा करना चाहती है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आत्महत्या और बिजली दर जैसे मुद्दों से ध्यान हटाना चाहती है।

टीपू सुल्तान को लेकर क्यों है विवाद?

इतिहास में टीपू सुल्तान को लेकर मतभेद हैं, एक पक्ष उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाला बहादुर शासक मानता है। जबकि दूसरा पक्ष उन पर धार्मिक भेदभाव और अत्याचार के आरोप लगाता है। वहीं छत्रपति शिवाजी महाराज को पूरे देश में वीरता, सुशासन और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में सम्मान दिया जाता है।

सम्पादकीय

निंदा और अहंकार छोड़ें, संवेदना और सराहना अपनाएं आत्ममंथन इंसान और समाज दोनों के लिए जरूरी है

संवेदना कोई जन्मजात गुण नहीं, बल्कि वह संस्कार है जो आत्ममंथन की भूमि पर विकसित होता है। जहां चुगली, निंदा और दोषारोपण हावी होते हैं, वहां संवेदना के बीज अंकुरित नहीं हो पाते। दूसरों की पीड़ा को समझने की क्षमता हमें आलोचक नहीं, सहचर बनाती है। जब संवेदना व्यवहार का हिस्सा बन जाती है, तभी शब्द विष नहीं, विश्वास का माध्यम बनते हैं।

कई लोगों को सिर्फ इसमें ही आनंद आ जाता है कि वे चुगली कर के एक दूसरे को लड़वा देते हैं। उन्हें लगता है कि किसी के कान भर देना, आधी-अधूरी बातें पहुंचाना और रिश्तों में जहर घोलना एक तरह की जीत है। ऐसे लोग खुद को बहुत चतुर समझते हैं, मानो वे परदे के पीछे बैठकर सबको नचा रहे हों। मगर वे यह भूल जाते हैं कि यह तथाकथित आनंद बहुत क्षणिक होता है।

यह एक ऐसी आग है जो पहले दूसरों को जलाती है, पर अंत में उसी को अपनी चपेट में ले लेती है, जिसने उसे भड़काया होता है। चुगली की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह खुलकर सामने नहीं आती। यह मुस्कान के पीछे छिपी रहती है, सहानुभूति का चोला ओढ़ लेती है और 'मैं तो तुम्हारे भले के लिए बता रहा हूं' जैसे मीठे शब्दों में लिपटी रहती है, लेकिन इसका असर बेहद गहरा होता है।

यह विश्वास की नींव को कमजोर करती है, रिश्तों में शक का बीज बोती है और लोगों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर देती है। जो लोग चुगली से आनंद लेते हैं, वे अक्सर यह नहीं सोचते कि जिन चिंगारियों से वे खेल रहे हैं, वही चिंगारियां एक दिन आग बनकर उन्हें भी जला सकती हैं।

इतिहास और समाज दोनों इस सच्चाई के गवाह हैं कि झूठ और चुगली पर खड़े रिश्ते ज्यादा दिन नहीं टिकते। आज जिसे आपने भड़काया है, वही कल सच्चाई जानकर आपसे मुंह मोड़ सकता है। आज जिस भ्रम का लाभ उठाया है, वही भ्रम टूटने पर शर्म और पछतावे में बदल जाता है।

सच चाहे जितना दबाया जाए, देर-सबेर सामने आता ही है और जब आता है, तो सबसे पहले उसी चेहरे से नकाब उतारता है, जिसने परदे के पीछे से डोरियां हिलाई थीं। धीरे-धीरे चुगली करने वाला व्यक्ति खुद भी अकेला पड़ने लगता है। लोग भले ही शुरुआत में उसकी बातों पर भरोसा कर लें, लेकिन उनके मन में एक डर हमेशा बना रहता है कि 'जो मेरे सामने किसी की बुराई कर सकता है, वह मेरे पीछे मेरे बारे में क्या कहता होगा?'

यही संदेह रिश्तों में दूरी पैदा करता है। चुगली करने वाला अपने ही जाल में फंस जाता है, जहां न सच्चे रिश्ते बनते हैं और न ही आत्मिक शांति मिलती है।

इसी क्रम में हम एक और आदत को देख सकते हैं- कमियां निकालने की आदत। कमियां निकालने का हुनर तो हम सब बहुत अच्छे से जानते हैं। दूसरों की छोटी-सी गलती भी हमें पहाड़ जैसी दिखाई देती है। किसी के बोलने का ढंग, पहनावा, काम, सोच या निर्णय- हर चीज पर हमारी राय तैयार रहती है।

हमें लगता है कि सामने वाले को उसकी कमी बता देना हमारा अधिकार है, लेकिन इस प्रक्रिया में हम एक बेहद जरूरी काम भूल जाते हैं- अपने भीतर झांकना। कभी-कभी जरूरत होती है कि हम अपना चेहरा भी मन के दर्पण में देखें।

यह दर्पण कांच का नहीं होता। इसमें बाहरी रूप नहीं, बल्कि हमारी सोच, हमारा व्यवहार और हमारे इरादे दिखाई देते हैं। जब हम ईमानदारी से इस दर्पण में देखते हैं, तब समझ आता है कि जिन कमियों को हम दूसरों में खोजते फिरते हैं, उनमें से कई हमारे भीतर भी मौजूद हैं। फर्क बस इतना है कि अपनी कमियां हमें मजबूरी लगती हैं और दूसरों की कमियां अपराध।

हम दूसरों को सलाह देने में बहुत उदार होते हैं, लेकिन खुद पर वही सलाह लागू करने से कतराते हैं। हमें लगता है कि हम परिस्थितियों के शिकार हैं, इसलिए हमारी गलतियां जायज हैं, लेकिन दूसरों के लिए हमारे पास कोई रियायत नहीं होती। यही दोहरा मापदंड हमारे रिश्तों को खोखला करता है और हमारे व्यक्तित्व को भीतर से कमजोर बनाता है। जितनी जल्दी हम किसी की निंदा करने के लिए अग्रसर हो जाते हैं, काश उसी रफ्तार से हम आत्ममंथन करना भी सीख लें।

निंदा करना आसान है, क्योंकि इसमें मेहनत नहीं लगती। न सोचने की जरूरत, न खुद से सवाल करने की हिम्मत। आत्ममंथन इसके ठीक उलट है- इसमें ईमानदारी, धैर्य और साहस चाहिए। आत्ममंथन हमें यह सिखाता है कि हर व्यक्ति की अपनी परिस्थितियां होती हैं, अपने संघर्ष होते हैं, जिनका अंदाजा हमें बाहर से नहीं हो सकता। जब हम यह स्वीकार कर लेते हैं, तो हमारे शब्दों की धार अपने आप कुंद हो जाती है। निंदा की जगह समझ और संवेदना जन्म लेने लगती है और यही संवेदना हमें इंसान बनाती है। बुराई और निंदा तो हर कोई कर लेता है।

कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें: सफलता के नाम पर असफल समाज

डॉ0 प्रियंका सौरभ

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या–यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित 'सफलता मॉडल' पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है–माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निर्माता सभी इसके दायरे में आते हैं।

कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज़ झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह ग़लत थी।

आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफ़े पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर 'एजुकेशन हब' कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं–आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यक़ीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती।

कृति का यह कथन कि '90% अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है' हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ़ ग़लत है, बल्कि ख़तरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है, बल्कि माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का बन गया है। हर बच्चा अपने भीतर एक काल्पनिक 'परफेक्ट स्टूडेंट' की छवि ढो रहा है, जिससे वह लगातार हारता चला जाता है। ऊँचे अंक और बेहतर प्रदर्शन भी अब मानसिक शांति की गारंटी नहीं रहे, क्योंकि समस्या पढ़ाई की नहीं, बल्कि उस माहौल की है जिसमें पढ़ाई कराई जा रही है।

कृति द्वारा अपनी माँ के लिए लिखी गई पंक्तियाँ इस पूरे संकट की जड़ को उजागर करती हैं। वह बताती है कि उसे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक रुचि अंग्रेज़ी साहित्य और इतिहास में थी। यह कहानी किसी एक घर तक सीमित नहीं है। यह देश के हज़ारों, बल्कि लाखों घरों की सच्चाई है, जहाँ बच्चे की रुचि से ज़्यादा समाज की अपेक्षा मायने रखती है। माता-पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चा उनकी अधूरी महत्वाकांक्षाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। सामाजिक तुलना–कि फलाँ का बेटा डॉक्टर बन गया या फलाँ की बेटी आईआईटी में पहुँच गई–हमें इतना अंधा कर देती है कि हम बच्चों की इच्छाओं, क्षमताओं और सीमाओं को अनदेखा कर देते हैं।

कृति ने अपनी छोटी बहन को लेकर जो चेतावनी दी, वह इस सुसाइड नोट को और भी मार्मिक बना देती है। वह चाहती है कि उसकी बहन को वही पढ़ने दिया जाए, जो वह पढ़ना चाहती है, और वही बनने दिया जाए, जो वह बनना चाहती है। यह विडंबना है कि मरते समय भी वह किसी और की ज़िंदगी बचाने की कोशिश कर रही थी। यह चेतावनी केवल एक माँ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है, जो बच्चों को सुनने के बजाय उन पर अपने सपने थोपता है।

आज के स्कूल और कोचिंग संस्थान बच्चों को गणित के सूत्र, रसायन के समीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियाँ तो सिखा रहे हैं, लेकिन जीवन के सबसे ज़रूरी पाठ सिखाने में पूरी तरह असफल हो रहे हैं। वे बच्चों को यह नहीं सिखा पा रहे कि असफलता से कैसे निपटना है, मानसिक तनाव को कैसे समझना है और मदद माँगना कमजोरी नहीं है। प्रतिस्पर्धा को प्रेरणा के बजाय भय का औज़ार बना दिया गया है। रैंक लिस्ट, मॉक टेस्ट और लगातार तुलना बच्चों के मन में स्थायी हीनभावना भर देती है, जिससे वे खुद को केवल अंकों और चयन के चश्मे से देखने लगते हैं।

हर ऐसी मौत के बाद सरकार की ओर से औपचारिक बयान आते हैं, जाँच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ दिनों तक बहस चलती है। इसके बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। न कोचिंग संस्थानों के कामकाज पर सख़्त निगरानी होती है, न उनके घंटे सीमित किए जाते हैं, न मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाता है। यदि सरकार सच में गंभीर है, तो कोचिंग उद्योग के लिए सख़्त नियमन, छात्रों के लिए सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता और स्कूल स्तर पर करियर की विविध संभावनाओं को स्वीकार करने की ठोस नीति बनानी होगी।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हम सफलता को किस रूप में परिभाषित करते हैं। क्या एक अच्छा इंसान बनना, मानसिक रूप से स्वस्थ रहना और अपनी रुचि के क्षेत्र में संतुष्ट जीवन जीना सफलता नहीं है? यदि नहीं, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो चयनित तो होगी, लेकिन भीतर से टूटी हुई और असंतुष्ट होगी। कृति की मौत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कहीं हम अपने बच्चों को ज़िंदा रहते हुए ही तो नहीं मार रहे–उनकी इच्छाओं को, उनके सपनों को और उनकी स्वतंत्रता को।

कृति का सुसाइड नोट केवल एक छात्रा की अंतिम अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर अब भी हमने नहीं सुना, नहीं समझा और नहीं बदले, तो ऐसी घटनाएँ रुकने वाली नहीं हैं। सवाल यह नहीं है कि अगला बच्चा कौन होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम अगले बच्चे को बचा पाएँगे।

दाढ़ी पर नहीं, सोच पर बहस ज़रूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

हर दौर की अपनी पहचान होती है। यह पहचान केवल कपड़ों, हेयर-स्टाइल या चेहरे पर उगे बालों से नहीं बनती, बल्कि उस सोच से बनती है जो व्यक्ति और समाज–दोनों को दिशा देती है। आज के समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे कैसे दिखते हैं यह कम, और क्या सोचते हैं तथा किसका अनुकरण करते हैं–यह अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बाहरी आकर्षण, सोशल मीडिया की चमक और तात्कालिक लोकप्रियता ने पहचान की परिभाषा को सतही बना दिया है।

बीते कुछ वर्षों में दाढ़ी को लेकर एक तीखी बहस उभरी है। कुछ लोग इसे आधुनिक फैशन का प्रतीक मानते हैं, तो कुछ इसे सांस्कृतिक भ्रम और अंधानुकरण का उदाहरण। यह बहस तब और जटिल हो जाती है जब इसे धर्म, राजनीति या साज़िश से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में ज़रूरी है कि हम भावनाओं से ऊपर उठकर, शोर से दूर रहकर, विवेकपूर्ण और तथ्यपरक दृष्टि से इस विषय को देखें। क्योंकि जब मुद्दे विचार के बजाय पहचान की लड़ाई बन जाते हैं, तब समाधान नहीं, विभाजन पैदा होता है।

इतिहास गवाह है कि दाढ़ी और क्लीन शेव–दोनों ही भारतीय समाज का हिस्सा रहे हैं। वैदिक काल के ऋषि-मुनि जटाधारी थे, तो राजदरबारों में सुसज्जित, साफ़-सुथरे व्यक्तित्व भी दिखाई देते थे। मध्यकाल हो या आधुनिक काल–हर युग में दोनों प्रकार के रूप साथ-साथ मौजूद रहे। स्वतंत्रता संग्राम के समय महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, पंडित नेहरू–सभी का रूप अलग था, पर उद्देश्य एक। स्पष्ट है कि दाढ़ी कोई नई या बाहरी चीज़ नहीं है, और न ही क्लीन शेव कोई विदेशी अवधारणा। दोनों ही समय, परिस्थिति और व्यक्तिगत पसंद के अनुसार बदलते रहे हैं।

आज दाढ़ी का चलन केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह एक वैश्विक फैशन का हिस्सा बन चुका है। हॉलीवुड, यूरोपीय फैशन, खेल जगत, संगीत उद्योग और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स–हर जगह दाढ़ी अलग-अलग शैलियों में दिखाई देती है। सोशल मीडिया ने इन रुझानों को और तेज़ कर दिया है। एक तस्वीर, एक वीडियो या एक रील के ज़रिये ट्रेंड पल भर में दुनिया भर में फैल जाते हैं। ऐसे में यह मान लेना कि कोई एक उद्योग, समूह या विचारधारा ही किसी फैशन को 'फैला' रही है, वास्तविकता का सरलीकरण होगा।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अंधानुकरण एक गंभीर समस्या बन चुका है। जब युवा किसी भी ट्रेंड को बिना सोचे-समझे केवल इसलिए अपनाते हैं क्योंकि वह लोकप्रिय है या 'कूल' माना जा रहा है, तब उनका व्यक्तित्व उधार का हो जाता है। फैशन तब समस्या बनता है जब वह सोच पर हावी हो जाए और पहचान को केवल बाहरी प्रतीकों तक सीमित कर दे। सवाल दाढ़ी रखने या न रखने का नहीं है; सवाल यह है कि क्या हम अपने चुनाव के कारण जानते हैं, या सिर्फ़ भीड़ के साथ चल रहे हैं?

इस संदर्भ में सिनेमा और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर चर्चा ज़रूरी है। मनोरंजन उद्योग न केवल कहानियाँ सुनाता है, बल्कि जीवन-शैली के मानक भी गढ़ता है। बार-बार एक ही तरह के 'लुक', 'स्टाइल' और 'हीरोइज़्म' को आदर्श बनाकर प्रस्तुत करने से युवाओं के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं। इससे विविधता कम होती है और एकरूपता बढ़ती है। जिम्मेदार मीडिया वही है जो समाज की बहुलता को दिखाए–जहाँ सादगी भी आकर्षक हो, और अलग-अलग व्यक्तित्व भी स्वीकार्य हों। लेकिन दर्शक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम दिखावे और मूल्य में अंतर करना सीखें। ईश्वर, संस्कृति और सौंदर्य की चर्चा में भी संतुलन आवश्यक है। हमारी परंपराएँ अत्यंत विविध रही हैं। कहीं जटाधारी तपस्वी हैं, तो कहीं सुसज्जित देव-प्रतिमाएँ; कहीं वैराग्य है, तो कहीं श्रृंगार। सौंदर्य का अर्थ केवल बाहरी रूप नहीं, बल्कि आचरण, करुणा, संयम और विवेक है। यदि हम सौंदर्य को केवल चेहरे, दाढ़ी या फैशन तक सीमित कर दें, तो हम अपनी ही सांस्कृतिक गहराई को कम कर देते हैं।

आज के युवाओं के सामने असली खतरा किसी एक फैशन से नहीं, बल्कि आत्मबोध की कमी से है। जब युवा अपने इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक बहुलता को समझते हैं, तब वे किसी भी ट्रेंड को अपनाएँ–या न अपनाएँ–वह उनका सजग और स्वतंत्र निर्णय होता है। लेकिन जब पहचान केवल बाहरी प्रतीकों पर टिक जाती है, तब भ्रम पैदा होता है और व्यक्ति आसानी से प्रभावित हो जाता है। समाधान डर, आरोप या साज़िश की भाषा में नहीं है। समाधान शिक्षा, संवाद और आत्मविश्वास में है। युवाओं को यह समझाना ज़रूरी है कि फैशन क्षणिक होता है, लेकिन चरित्र स्थायी। आज जो ट्रेंड है, कल बदल जाएगा; पर जो मूल्य आप अपनाते हैं, वही जीवन भर साथ रहते हैं। इसलिए चयन सोच-समझकर होना चाहिए–न दबाव में, न डर में, और न ही अंधानुकरण में।

समाज को विभाजन की भाषा से भी सावधान रहना चाहिए। जब हम किसी चलन को डर या साज़िश के चश्मे से देखते हैं, तो संवाद बंद हो जाता है और ध्रुवीकरण बढ़ता है। इसके विपरीत, जब हम प्रश्न पूछते हैं–'क्यों?', 'कैसे?' और 'किस हद तक?'–तब समझ विकसित होती है। स्वस्थ समाज वही है जो असहमति को जगह देता है, लेकिन सम्मान और तथ्य के साथ। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को आलोचनात्मक सोच सिखाएँ–ताकि वे हर ट्रेंड को आँख बंद करके न अपनाएँ। उन्हें अपने शरीर, समय और पहचान पर अधिकार का बोध हो। फैशन अपनाना गलत नहीं; गलत है फैशन के पीछे खुद को खो देना। व्यक्तित्व की असली सुंदरता बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और विवेक में होती है।

अंततः, यह बहस दाढ़ी की नहीं, दिशा की है। हम अपनी पहचान किस पर बना रहे हैं–दिखावे पर या विचार पर? यदि हम युवाओं को शिक्षा, अवसर और आत्मसम्मान देंगे, तो वे किसी भी फैशन में सुरक्षित रहेंगे–क्योंकि उनकी जड़ें मज़बूत होंगी। समाज का भविष्य बाहरी रूपों से नहीं, सोच की मजबूती से तय होता है। और वही सोच हमें यह सिखाती है कि ट्रेंड आते-जाते रहते हैं, लेकिन मूल्य वही होते हैं जो समय की कसौटी पर टिकते हैं।

नींद जिसे हम गंवाना समझते हैं, वही है सेहत की असली दौलत, जानिए भरपूर सोने का दिमाग और शरीर पर असर

प्रकृति प्रदत्त नेमतों की कोई कीमत नहीं। वे अनमोल होती हैं। अब नींद को ही देखा जाए। हमारे आसपास ऐसे लोग आम हैं, जिनकी नजर में सोना वक्त गंवाना है। 'जो लोग सोते हैं, वे खोते हैं', इस आशय से कई कहावतें और उक्तियां भी हैं। अगर कोई व्यक्ति सोता हुआ दिख जाता है, तो उसे उसके बिगड़े हुए काम का कारण बताया जाता है। कुछ स्थितियों में यह सच भी हो सकता है।

मगर क्या हम हर वक्त नींद लेने को नकारात्मक ही मान कर कुछ गंवा तो नहीं रहे हैं? खासतौर पर ऐसे दौर में जब स्मार्टफोन में गुम रहने से लेकर कई बेमानी व्यस्तताओं की वजह से आंखों की नींद उड़ रही है, लोगों को नींद न आने की बीमारी जकड़ रही है। सवाल है कि क्या अच्छी नींद की कीमत रूपए पैसे, सोना चांदी या किसी अन्य बेशकीमती उपहार से आंकी जा सकती है? नहीं। नींद तो नींद होती है। इसकी भरपाई किसी दूसरी चीज से करना संभव नहीं। एक गरीब आदमी को नींद की जितनी जरूरत होती है, उतनी ही उन्हें भी, जिनके घरों में रुपए बोरियों में भरे हुए हैं। भोजन पानी की तरह नींद भी दुनिया में रहने वाले हर शख्स की जरूरत है। नवजात बच्चे जितना ज्यादा सोते हैं, उतनी ही तेजी से बढ़ते हैं। बच्चे ही क्यों, बड़ों को भी नींद की उतनी ही जरूरत होती है। अब सवाल यह उठता है कि हमें नींद की जरूरत पड़ती क्यों है।

सोना जितना दिमाग के लिए जरूरी होता है, उतना शरीर के लिए भी। आमतौर पर हमें लगता है कि जब हम सो जाते हैं, तो हमारा दिमाग भी थककर सो जाता होगा। मगर ऐसा नहीं है। सोते समय हमारा दिमाग जीने के लिए जरूरी कई क्रियाकलापों में लग जाता है। एक तरह से कह सकते हैं कि हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के काम में सीधे तौर पर जुट जाता है, जो हमारे जागते हुए दिमाग के लिए करना संभव नहीं होता है।

इसे इस उदाहरण से समझ सकते हैं। अगर हमने कभी रात को अपनी नींद खराब की होगी, यानी किसी वजह से हम रात को सो नहीं पाए होगे, तो अगले दिन अजीब-सी थकान या तनाव का अहसास होता है। काम करने में भी दिमाग का भरपूर इस्तेमाल नहीं हो पाता।

इसकी वजह यह है कि नींद का हमारे दिमाग की कार्यक्षमता से संबंध होता है। नींद दिमाग के काम करने के तरीके पर असर डालती है। दिमाग को लचीलेपन यानी संकेतों के हिसाब से ढलने की क्षमता के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। अगर हम बहुत कम सोते हैं, तो दिन में सीखी हुई चीजों को अपने भीतर स्थिर नहीं कर पाते और भविष्य में उन्हें याद रखने में ज्यादा दिक्कत होती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद दिमाग की कोशिकाओं से बेकार चीजों को हटाने में मदद करती है। जब दिमाग क्रियाशील होता है, यानी हम जाग रहे होते हैं, तो यह काम उतनी कुशलता से नहीं हो पाता है, लेकिन सोने के बाद दिमाग पर से अतिरिक्त भार खत्म हो जाता है और वह खुद को व्यवस्थित करने की क्रिया में जुट जाता है।

दिमाग के अलावा नींद बाकी शरीर के लिए भी बहुत जरूरी है। जब लोगों को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो तरह-तरह की बीमारियां पकड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं। अवसाद, दौरे, उच्च रक्तचाप और सिरदर्द के लक्षण और बढ़ने लगते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बीमारी और संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।नींद चयापचय में भी भूमिका निभाती है। यह जानकर हैरानी होगी कि एक रात की नींद छूटने से भी एक स्वस्थ व्यक्ति में मधुमेह-पूर्व की स्थिति बन सकती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जब हम सोते हैं, तब हमारा दिमाग दो अलग-अलग तरह की नींद लेता है। आरइएम (रैपिड-आइ मूवमेंट) नींद और गैर-आरईएम नींद। नींद की प्रक्रिया का पहला हिस्सा नान-आरईएम नींद है, जिसके चार स्तर होते हैं। पहला स्तर जागने और सोने के बीच का होता है।

दूसरा हल्की नींद होती है, जब दिल की धड़कन और सांस लेने की गति नियमित हो जाती है और शरीर का तापमान कम हो जाता है।

विमान दुर्घटनाओं में नेताओं की असमय मृत्युः संयोग, चयन पक्षपात या गहरी प्रणालीगत कमजोरी?

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार हवाई दुर्घटनाओं से प्रभावित होती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। पांच लोगों की जान जाने से जो राजनीतिक शून्य उत्पन्न हुआ है, उसे केवल संवेदनाओं से नहीं भरा जा सकता। यह पहली घटना नहीं है–संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001) और वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण यह दर्शाते हैं कि शीर्ष नेताओं की असमय मृत्यु हर बार एक ही प्रश्न खड़ा करती हैः क्या ये विमान दुर्घटनाएँ मात्र संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम हैं, या हमारी राजनीतिक यात्रा संस्कृति और विमानन प्रणाली की कोई संरचनात्मक कमजोरी है?

भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं, बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। औसतन, एक उम्मीदवार चुनावी चक्र के दौरान 120-150 सभाओं में भाग लेता है; सप्ताह में 40-50 उड़ानें असामान्य नहीं हैं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामती, मुंबई और दिल्ली के बीच निरंतर यात्रा एक आवश्यकता है। यही कारण है कि चार्टर्ड विमान और हेलिकॉप्टर राजनेताओं की पहली पसंद बन गए हैं।

लेकिन यही साधन सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि निजी और चार्टर्ड विमानों में दुर्घटना की दर व्यावसायिक एयरलाइनों की तुलना में कई गुना अधिक है। इसके कारण स्पष्ट हैं–सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी।

चाहे अजित पवार की दुर्घटना हो, वाई.एस. राजशेखर रेड्डी का हेलिकॉप्टर हादसा हो या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान–प्रारंभिक और अंतिम जांच रिपोर्टें बार-बार पायलट की गलती, तकनीकी खराबी या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं। यह भी स्पष्ट है कि राजनेता ट्रेनों या व्यावसायिक उड़ानों से बचते हैं क्योंकि वे चुनावी अभियानों की तेज़ रफ्तार से मेल नहीं खातीं।

चुनाव के मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सैकड़ों हेलिकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराए पर लिए गए। कई मामलों में रखरखाव प्रमाणपत्र, पायलट विश्राम नियम और हेलीपैड मानकों की अनदेखी की गई। राजनीतिक दलों द्वारा पेश किए जाने वाले तथाकथित 'राजनीतिक पैकेज'–कम कीमत, पुराने मॉडल–जोखिम को और बढ़ा देते हैं।

एक बड़ा प्रश्न यह हैः क्या विमान दुर्घटनाओं में केवल राजनेता ही मारे जाते हैं? उत्तर है–नहीं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों छोटे विमान और हेलिकॉप्टर हादसे होते हैं, जिनमें आम नागरिक भी मारे जाते हैं। लेकिन मीडिया का ध्यान केवल हाई-प्रोफाइल चेहरों पर केंद्रित रहता है। यही चयन पक्षपात है–जो दिखता है, वही सत्य प्रतीत होता है।

यह प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर भी दिखाई देती है। अमेरिका में जॉन एफ. कैनेडी जूनियर, यूरोप में पोलैंड के राष्ट्रपति लेच काचिंस्की, और अफ्रीका व रूस में राष्ट्राध्यक्षों से जुड़ी विमान दुर्घटनाएँ–हर जगह तथ्यों से पहले साजिश की थ्योरी सामने आती है। अंतरराष्ट्रीय विमानन आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि सामान्य विमानन में अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय त्रुटि और प्रणालीगत विफलताओं का परिणाम होती हैं। दुर्भाग्यवश, मीडिया सनसनीखेज़ी इन्हें 'राजनीतिक साजिश' में बदल देती है। इससे न केवल जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थानों में अविश्वास भी गहराता है।

समस्या मूलतः प्रणालीगत है। डीजीसीए के पास चार्टर्ड उड़ानों की निगरानी के लिए सीमित संसाधन हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन कमजोर है। पायलट प्रशिक्षण, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और अस्थायी हेलीपैड–इन तीनों में गंभीर सुधार की आवश्यकता है।

अब शोक मनाने और भूल जाने की परंपरा तोड़ने का समय आ गया है। इसके लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। पहला, नेताओं के लिए भारतीय वायुसेना की वीवीआईपी फ्लीट की तर्ज पर एक समर्पित एयर विंग विकसित की जानी चाहिए, जिसमें आधुनिक हेलिकॉप्टर, उन्नत जीपीएस-रडार सिस्टम और अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हों। दूसरा, चुनावी मौसम में उपयोग होने वाले चार्टर्ड विमानों और हेलिकॉप्टरों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएँ और उनकी रीयल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग अनिवार्य की जाए, ताकि सुरक्षा से कोई समझौता न हो। तीसरा, नेताओं की अत्यधिक यात्रा को कम करने के लिए वर्चुअल रैलियों, डिजिटल संवाद और तकनीक-आधारित प्रचार को बढ़ावा दिया जाए, जिससे अनावश्यक उड़ानों का बोझ घटे। चौथा, पायलट प्रशिक्षण, प्री-फ्लाइट तकनीकी जांच और विमान रखरखाव में शून्य-सहिष्णुता नीति अपनाई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली निजी कंपनियों पर कठोर दंड लगाया जाए। अंततः, मीडिया के लिए जिम्मेदार रिपोर्टिंग के स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए जाएँ, ताकि हर विमान दुर्घटना को साजिश में बदलने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके।

नेताओं की असमय मृत्यु केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती–यह सत्ता संतुलन, नीति निरंतरता और लोकतांत्रिक विश्वास को भी कमजोर करती है। अजित पवार हों, वाईएसआर हों या संजय गांधी–हर त्रासदी एक चेतावनी है। विमान दुर्घटनाएँ साजिश नहीं, बल्कि लापरवाही, दबाव और कमजोर शासन का परिणाम हैं। यदि आज सुधार नहीं किए गए, तो कल फिर वही त्रासदी दोहराई जाएगी।

लोकतंत्र के पायलटों को सुरक्षित आकाश चाहिए–यह केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि समय की ठोस मांग है। बार-बार होने वाली विमान और हेलिकॉप्टर दुर्घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समस्या किसी एक नेता, एक दल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी राजनीतिक यात्रा संस्कृति और विमानन प्रणाली की गहरी संरचनात्मक कमजोरी में निहित है। जब लोकतंत्र के प्रतिनिधियों को असुरक्षित साधनों से यात्रा करनी पड़ती है, तो उसके परिणाम केवल किसी एक परिवार या दल तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे शासन तंत्र को प्रभावित करते हैं।

नेताओं की असमय मृत्यु सत्ता में शून्य, नीति में अस्थिरता और जनता के विश्वास में गिरावट लाती है। इसके अलावा, साजिश की अफवाहें लोकतांत्रिक संस्थानों को और कमजोर करती हैं। इसलिए हर त्रासदी के बाद केवल संवेदना व्यक्त कर आगे बढ़ जाने के बजाय, ठोस सुधारों को राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ जोड़ना आवश्यक है। सुरक्षा मानकों में ढील, कमजोर निगरानी और जल्दबाज़ी में की गई उड़ानें किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध हो सकती हैं।

यदि भारत वास्तव में एक मजबूत और स्थिर लोकतंत्र की ओर बढ़ना चाहता है, तो उसे अपने प्रतिनिधियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। आज किए गए सुधार ही कल की त्रासदियों को रोक सकते हैं। सुरक्षित आकाश न केवल नेताओं के लिए, बल्कि लोकतंत्र की निरंतर उड़ान के लिए भी अनिवार्य है।

औराई विधायक ने 13 मार्गो का किया शिलान्यास

कुल 318.28 लाख की लागत से बनेगी 16.85 किमी सड़क

भदोही। औराई के विधायक दीनानाथ भास्कर ने विधानसभा क्षेत्र के महराजगंज, जियनपुर, सवरपुर, निदुरा, उगापुर, ग़रौली, महथुआ, असनाव, माधोसिंह, लालानगर, देवनाथपुर और कटेबना समेत डेढ़ दर्जन से अधिक गावों में मार्गो का शिलान्यास किया और फिर आगामी 21 फरवरी को डेढ़ दर्जन से अधिक मार्गो का लोकार्पण किया जायेगा। साथ ही सुन्दरवन कटेबना में भी विधायक ने दर्शन पूजन किया और मां राज लक्ष्मी मंदा का आशीर्वाद लिया। शनिवार को कुल 318.28 लाख की लागत से 16.85 किमी मार्ग का निर्माण होगा। औराई विधायक दीनानाथ भास्कर ने कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास की नई इबारत पुरे प्रदेश में लिखी जा रही है और इससे भदोही जनपद का औराई विधानसभा भी अछूता नहीं है और पुरे क्षेत्र को विकास कार्यों से अच्छादित किया जा रहा है और यह विकास की प्रक्रिया लगातार चलती रहेगी। विधायक ने कहा कि विकास की गति जो देश और प्रदेश में दिख रही

है वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देन है और उनके प्रेम और स्नेह से ही यह सब संभव हो पा रहा है। देश में सड़क, रेल, बंदरगाह, ब्रिज और हवाई अड्डा समेत अन्य विकास कार्यों की लगातार सौगात मिल रही है। और विकास कार्य सांसद निधि, विधायक निधि, ब्लॉक प्रमुख निधि और ग्राम प्रधान निधि से भी लगातार कार्य किया जा रहा है। कहा कि सरकार की मंशा है लोग सरकार की विकास योजनाओं का लाभ लें और देश की मुख्य धारा से जुड़े। विजय शंकर दूबे (चुन्नू), आशीष दूबे (मुन्नू) अंकित मिश्रा, डबलू सिंह, अंशु मिश्रा, आलोक, सुजीत यादव समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकार भदोही द्वारा थाना समाधान दिवस पर सुनी गई समस्याएं

सुरियावा। सुरियावा शनिवार 14 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेशशासन द्वारा चलाए जा रहे थाना समाधान दिवस के अंतर्गत उच्च अधिकारियों के निर्देश पर थाना सुरियावा पर उप जिला अधिकारी भदोही अरुण कुमार गिरी एवं क्षेत्राधिकारी भदोही अशोक मिश्रा द्वारा उपस्थित होकर थाना समाधान दिवस में आए फरियादियों की कि समस्याओं को सुना जिसमें न9 राजस्व से संबंधित व एक मामला पुलिस विभाग से संबंधित रहा मामले की गंभीरता को लेते हुए पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम गठन कर मौके पर निस्तारण है भेजा गया है उन्होंने बताया कि शासन के मानसा के अनुरूप समाधान दिवस में आए फरियादियों के समस्याओं का निस्तारण किया जाना न्याय करनाही शासन का मंशा है इस मौके पर थाना

अध्यक्ष सुरियावा मनीष कुमार एस एस आई योगेंद्र कुमार हल्का राजस्व निरीक्षक हल्का लेखपाल तथा फरियादी मौजूद रहे

बिन दुल्हन लौटी बरातः विदाई से पहले खुला दूल्हे का ऐसा राज, पलट गई सारी कहानी; दबे पांव नौ दो ग्यारह हुए बराती

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में कोठी थाना क्षेत्र के एक गांव में बरात में शनिवार सुबह हंगामा खड़ा हो गया। विदाई से पहले पता चला कि दूल्हा किन्नर है। यह जानकारी के मिलते ही अधिकांश बराती और दूल्हे पक्ष के लोग मौके से भाग खड़े हुए। लड़की पक्ष के लोगों ने दूल्हे और उसकी मां को धर लिया।

लड़की के पिता के अनुसार, उनकी पुत्री का विवाह चार महीने पहले दिलौना निवासी बालचंद के पुत्र रिशु के साथ तय हुआ था। दो महीने पूर्व वरीक्षा और दिखाई की रस्में पूरी हो चुकी थीं और विवाह की तारीख 13 फरवरी निर्धारित थी।

तय कार्यक्रम के अनुसार बारात आई और विवाह की रस्में संपन्न हुईं। शनिवार सुबह कुछ किन्नर वहां पहुंचे और दूल्हे को अपने समुदाय का बताते हुए उसे साथ ले जाने का प्रयास करने लगे। यह बात पता चलते ही लड़की पक्ष स्तब्ध रह गया। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, बाराती तुरंत वापस लौट गए। लड़की पक्ष ने ग्राम प्रधान के माध्यम से दूल्हे के परिजनों को बुलाने का प्रयास किय।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वारा औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया गया निरीक्षण

भदोही। दिनांक 14.02.2026 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक द्वारासामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान सीएमओ के संज्ञान में आया है कि महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ सुफिया अख्तर मुख्यालय पर निवास बनाकर कार्य नहीं करती है सीएमओ द्वारा निर्देशित किया गया जब तक मुख्यालय पर निवास बनाकर कार्य नहीं करेंगे तब तक वेतन दे नहीं होगा डॉक्टर चिराग कुशवाहा 3 साल से बिना बताए अनुपस्थित है सीएमओ द्वारा निर्देशित किया गया कि डीजी को पत्र लिखकर सूचना भेजे एवं उनका नाम उपस्थिति पंजिका से हटा दिया जाए सुरेंद्र कुमार कनिष्ठ सहायक का साथ दिवस का वेतन बाधित किया गया

पुलवामा हमले की बरसी पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

डीआईजी धीरज कुमार ने शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित किया

प्रयागराज। पुलवामा हमले की बरसी परसीआरपीएफ ग्रुप केंद्र प्रयागराज में वीर शहीदों को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस उप-महानिरीक्षक डीआईजी धीरज कुमार ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर की। औपचारिक परेड में अधिकारियों व जवानों ने शस्त्र झुकाकर सलामी दी। बिगुल की गूंज के बीच दो मिनट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इसके बाद 'मेन्स क्लब' में शोक सभा व संस्मरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां पुलवामा के शहीदों के जीवन और वीरता पर आधारित विशेष वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसे देखकर उपस्थित अधिकारी व जवान भावुक हो उठे।अपने संबोधन में डीआईजी धीरज कुमार ने कहा, 'हमारे वीर जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। राष्ट्र उनकी

बहादुरी और समर्पण का सदैव ऋणी रहेगा। उनका त्याग हमें कर्तव्यपथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।' उन्होंने बल के सभी जवानों से शहीदों के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विनय अग्रवाल डीआईजी चिकित्सा अशोक कुमार व तरुण कुमार द्वितीय कमान अधिकारउप कमांडेंट निरंजन सैनी, कमलेश कुमार झा, सहायक कमांडेंट अविनाश राय, महाराणा वीरेंद्र प्रताप सिंह, समय जैन सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व सीआरपीएफ के कार्मिक जवान मौजूद रहे। इसी क्रम में मेजा के टुड़ीहार स्थित शहीद महेश यादव पार्क में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। यहां उप कमांडेंट श्रीनिवास ने शहीद महेश के चित्र पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों व परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद महेश जैसे जांबाज सैनिकों की बदौलत ही देश सुरक्षित है। उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।उन्होंने डीआईजी का संदेश पढ़कर सुनाया और भरोसा दिलाया कि पूरा सीआरपीएफ परिवार शहीद के परिजनों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। कार्यक्रम के अंत में 'शहीद अमर रहें' के उद्घोष के साथ सभी ने वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

शहीद महेश यादव को नमन, उप कमांडेंट श्रीनिवास ने दिलाई शौर्य की याद

प्रयागराज। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के वीर जवान महेश यादव को उनके पैतृक गांव नवडीहा टुड़िहार (मेजा) स्थित पैतृक गांव शहीद स्मारक पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला डीआईजी धीरज कुमार के कुशल निर्देशन में श्रद्धांजलि सभा में उप कमांडेंट श्रीनिवास ने शहीद महेश यादव के चित्र पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित कर परंपरा के अनुसार सलामी ली पूरे परिसर में भारत माता के जयकारे लगाए गए इसके बाद उन्होंने अधिकारियों, जवानों व ग्रामीणों के साथ दो मिनट का मौन रखकर वीर सपूत को नमन किया। अपने ओजस्वी संबोधन में उप कमांडेंट श्रीनिवास ने कहा कि पुलवामा में देश ने अपने जांबाज सपूतों को खोया, लेकिन उनका बलिदान राष्ट्र की सुरक्षा की अटूट नींव बन गया। उन्होंने कहा, 'सीआरपीएफ का हर जवान देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए समर्पित है। शहीद महेश यादव का साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम हम सभी के लिए प्रेरणा है। उनका नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाएगा।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि सीआरपीएफ

परिवार शहीद के परिजनों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त मेजा एस.पी. उपाध्याय तथा खंड विकास अधिकारी उरुवा श्रुति शर्मा भी मौजूद रहीं। अपने संबोधन में श्रुति शर्मा ने कहा कि अर्द्धसैनिक बल देश की सुरक्षा की सशक्त धुरी हैं और सीआरपीएफ जैसे बलों का योगदान राष्ट्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान पूरे देश को एक सूत्र में बांधता है और हम सभी का दायित्व है कि उनके परिवारों के सम्मान और सहयोग में कोई कमी न रहे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राजेश्वर यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी शहीद के चित्र पर माल्यार्पण किया। सीआरपीएफ के जवानों ने सलामी दी। कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र सिंह, सहायक सब इंस्पेक्टर राय साहब समेत बड़ी संख्या में जवान व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अंत में 'शहीद महेश यादव अमर रहें' के उद्घोष के साथ सभी ने वीर सपूत को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

पंचायत चुनाव टले तो ग्राम प्रधानों को ही बनाया जाए प्रशासक :विवेक चन्द्र अवस्थी

भदोही।समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन ,एसआईआर व जनगणना के कारण वश यदि पंचायत चुनाव समय पर अगर समय पर नही हो पाते हैं तो वर्तमान ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाया जाए ।यह बातें ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी ने शनिवार को भदोही में एक निजी कार्यक्रम के दौरान कही।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के गांव केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि आस्था, परिश्रम, परंपरा और आत्मसम्मान की जीवंत पहचान हैं। इन्हीं गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा को मजबूत करने के लिए पंचायतें और उनके निर्वाचित प्रतिनिधि अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आयोग के गठन और वैज्ञानिक सर्वेक्षण की प्रक्रिया के कारण पंचायत चुनाव में विलंब होता है तो राजस्थान की तरह उत्तर प्रदेश में भी वर्तमान ग्राम प्रधानों और पंचायत प्रतिनिधियों को ही प्रशासक नियुक्त किया जाना चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इससे गांवों में विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहेगी और सड़क, जल, स्वच्छता, आवास व सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाएं प्रभावित नहीं होंगी। साथ ही जनता का विश्वास भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बना

रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार समर्पित राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन और वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आधार पर आरक्षण तय करना सामाजिक न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह प्रक्रिया पंचायतों में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगी और लोकतंत्र की जड़ों को और गहरा करेगी।इस अवसर पर संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजमणि पांडेय,ग्राम प्रधान विमिलेश चन्द्र यादव,अमित मिश्रा,सीताराम बिंद, अमरनाथ,रवितोष, वकील सहित कई गांवों के ग्राम प्रधान मौजूद रहें।

अखिलेश बोलेः शंकराचार्य के बारे में अपमानजनक बोलना है पाप, उन पर दिया गया अभद्र बयान इतिहास में दर्ज

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना पाप है। ऐसा कहने वाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाई हैं। जब भाजपा के विधायक सदन के बाहर जाएंगे और जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर उनका सदन लगा देगी।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि जो महाकुंभ की मौतों पर सच्चे आंकड़े नहीं बताते हैं। कैश में मुआवजा देकर उसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता निकाल लेते हैं। वे किसी और के धर्म पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं रखते हैं। जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। उन्होंने कहा कि हाता नहीं भाता का ये विस्तारित रूप है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि शंकराचार्य जी पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज़ हो गया है। उनके इस बयान को हम निंदनीय कहें तो निंदनीय शब्द को भी निंदनीय महसूस होगा। इनका बस चले तो जो विवादित फिल्म आई है, उसका नाम बदले बिना ही रिलीज भी कर दें और टैक्स फ्री भी कर दें। अगले चुनाव में वो समाज एक-एक वोट उनके खिलाफ डालकर अपने अपमान और उनके प्रदेश अध्यक्ष के नोटिस का सही जवाब देगा।

अखिलेश ने शिवरात्रि की दी बधाई

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान शिव से सभी के आरोग्यमय, सुखमय और समृद्ध जीवन की प्रार्थना की है।

थाना समाधान दिवस पर आई 66 शिकायतों में पांच का त्वरित निस्तारण

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में शनिवार को जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनसुनवाई कर नागरिकों की समस्याओं का निस्तारण किया गया।

जनसुनवाई के दौरान कुल 69 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 66 राजस्व विभाग और 3 पुलिस विभाग से संबंधित थे। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग से जुड़ी सभी 3 शिकायतों तथा राजस्व विभाग की 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने राजस्व टीम के साथ थाना औराई पर फरियादियों की समस्याएं

सुनीं। वहीं, थाना चौरी में क्षेत्राधिकारी औराई राजीव कुमार सिंह की मौजूदगी में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

शेष प्रकरणों के लिए पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों का गठन कर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए, ताकि फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

यूपी डीजीपी के निर्देशः त्योहारों पर बरतें विशेष सतर्कता, सोशल मीडिया पर रखें नजर; होली को लेकर दिये ये आदेश

लखनऊ। डीजीपी राजीव कृष्ण ने शनिवार को ऑनलाइन अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी एडीजी, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी व अन्य अफसरों को निर्देश दिए कि त्योहारों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। सोशल मीडिया की निगरानी करें। अगर कोई आपत्तिजनक या विवादित पोस्ट आदि मिलता है तो संबंधित पर कार्रवाई करें।

डीजीपी ने कहा कि महाशिवरात्रि, होली और रमजान के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों, मंदिरों, मस्जिदों, घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। होलिका दहन वाले स्थानों पर पहले से ही सुरक्षा का इंतजाम हो। नमाज के दौरान मार्ग प्रबंधन व यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पहले हुए विवादों की समीक्षा कर संबंधित पक्षों से संवाद स्थापित करें। प्रत्येक सूचना पर तत्काल कार्रवाई करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणाधीन 60 हजार आरक्षियों के आगमन को देखते हुए बैरक व आवासीय व्यवस्थाएं दुरुस्त कराएं। आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए।

बजट का आवंटन समय पर हो

डीजपी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, ई-साक्ष्य और ई-सम्मन प्रणाली की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग व सीसीटीएनएस 2.0 और आईसीजेएस 2.0 के लिए तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

महापौर चुनाव की राजनीति में हलचल, एक करोड़ की कथित ठगी मामले में चार दिन की पुलिस हिरासत

भिवंडी के पूर्व महापौर विलास आर. पाटील आर्थिक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

गिरफ्तारी के बाद स्थानीय सियासत में नए समीकरण बनने की चर्चा तेज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगरपालिका के पूर्व महापौर और कोणार्क विकास आघाड़ी के नेता विलास आर. पाटील को एक करोड़ रुपये की कथित आर्थिक धोखाधड़ी के मामले में ठाणे पुलिस आयुक्तालय की आर्थिक अपराध शाखा ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उन्हें अवकाशकालीन अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। पाटील की गिरफ्तारी के बाद भिवंडी महानगरपालिका में महापौर पद को लेकर चल रही राजनीतिक हलचल और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, महानगरपालिका चुनाव के बाद 18 जनवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर पाटील और भाजपा विधायक महेश चौघुले के समर्थकों के बीच मारपीट और हंगामा हुआ था। इस

मामले में पाटील कुछ समय तक फरार बताए जा रहे थे, हालांकि 7 फरवरी को उन्हें अग्रिम जमानत मिल गई थी। भिवंडी की राजनीति में लंबे समय से 'किंगमेकर' की भूमिका निभाने वाले पाटील हाल के दिनों में महापौर चुनाव को लेकर शिवसेना शिंदे गुट के साथ सक्रिय नजर आ रहे थे और पार्षदों के समीकरण साधने में जुटे थे। उनकी गिरफ्तारी के बाद स्थानीय राजनीति में नए समीकरण बनने की चर्चा शुरू हो गई है।

गिरफ्तारी की खबर सामने आते ही भादवड, टेमघर और नवीबस्ती इलाके में शिवसेना शिंदे गुट के कुछ पदाधिकारी और नगरसेवक बालाराम चौधरी, रोहित चौधरी और दिनमोहमद सड़क पर उतर आए और दुकानों को बंद कराने की कोशिश की, जिससे क्षेत्र का राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया। आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों के मुताबिक, वर्ष 2025 में निजामपुर पुलिस थाने में दर्ज आर्थिक धोखाधड़ी के मामले की जांच के दौरान यह कार्रवाई की गई है। वहीं, पाटील के वकील एडवोकेट नारायण अय्यर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल का इस मामले से कोई संबंध नहीं है और एफआईआर में उनका नाम भी शामिल नहीं है। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रेरित कार्रवाई बताते हुए साजिश के तहत फंसाए जाने का आरोप लगाया है। इस बीच, महापौर पद के चुनाव में भाग लेने की अनुमति के संबंध में 16 फरवरी को अदालत के समक्ष एक आवेदन भी पेश किया गया है। पाटील की गिरफ्तारी के बाद भिवंडी की स्थानीय राजनीति में संभावित बदलावों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

तीन नाबालिग लड़कियां लापता

अपहरण की आशंका से हड़कंप, केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन नाबालिग लड़कियों के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने की घटनाओं ने पुलिस और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण की आशंका जताते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से इलाके में हड़कंप मच गया है।

पहली घटना शांतीनगर थाना क्षेत्र के एसटी बस डिपो के पास से 17 वर्षीय लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। फरियादी चाचा के अनुसार, 13 फरवरी की सुबह करीब 4 बजे उनकी नाबालिग भतीजी बिना किसी को बताए घर से निकल गई। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।

दूसरा मामला भी इसी शांतीनगर थाना क्षेत्र के गायत्रीनगर से 15 वर्षीय लड़की के लापता होने की शिकायत दर्ज की गई है। परिवार के अनुसार, 14 फरवरी की सुबह वह घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है।

तीसरा मामला भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र के नविवस्ती एक इलाके में घटित हुई है। जहा। जहां से एक 17 वर्ष 9 माह की लड़की के लापता होने का केस दर्ज किया गया है। परिजनों के अनुसार, 12 फरवरी की रात 2:30 बजे से सुबह 4 बजे के बीच वह घर से बाहर चली गई। आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। परिवार को अपहरण की आशंका है, जिसके आधार पर 13 फरवरी को मामला दर्ज किया गया।

तीनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस सुत्रो के अनुसार, नाबालिगों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लगातार सामने आ रही घटनाओं के मद्देनजर पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों पर नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

भिवंडी में महिलाओं और नाबालिग से जुड़े तीन मामले दर्ज

मारपीट, मानसिक उत्पीड़न और छेड़छाड़ के आरोप; पुलिस जांच तेज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में महिलाओं और नाबालिगों से जुड़े अपराधों के तीन अलग-अलग मामलों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज शिकायतों में घरेलू प्रताड़ना, मानसिक उत्पीड़न और छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक भिवडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र के पद्मानगर स्थित नवजीवन कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने अपने पति, सास और देवर के खिलाफ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता के अनुसार, 29 अगस्त 2025 से लेकर 9 फरवरी 2026 की रात तक मामूली घरेलू कारणों को लेकर उसे लगातार ताने दिए गए, मारपीट की गई और मानसिक रूप से परेशान किया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दूसरा मामला निजामपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में 44 वर्षीय महिला ने अपने परिचित व्यक्ति के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न और दबाव बनाने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2019 से उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था और अनुचित मांगें की जाती थीं। 13 फरवरी 2026 को मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपी फिलहाल फरार बताया जा रहा है।

तीसरा मामला भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र के पद्मानगर स्थित एक युवती से छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। शिकायत के अनुसार, दुकान की ओर जा रही युवती का एक युवक ने हाथ पकड़कर प्रेम का इजहार किया और आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे उसे मानसिक आघात पहुंचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और बाल संरक्षण से संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रमजान को लेकर भिवंडी मनपा अलर्ट, स्वच्छता, सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष तैयारी

विभिन्न विभागों के साथ समीक्षा बैठक

भिवंडी। रमजान माह को देखते हुए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। मनपा प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भाप्रसे) की अध्यक्षता में 12 फरवरी को नई प्रशासकीय इमारत के कॉन्फरेंस हॉल में विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात, पानी आपूर्ति और बाजार क्षेत्रों में भीड़ प्रबंधन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में आयुक्त ने रमजान के दौरान इफ्तार के बाद बढ़ने वाले कचरे के प्रभावी निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए कचरा डिब्बों की संख्या बढ़ाने, रोजाना सफाई, डीप क्लीनिंग और होटल-रेस्टोरेंट के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को दिन में दो बार कचरा डिब्बों

की सफाई और नियमित घनकचरा गाड़ियों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। यातायात विभाग को बाजारों और संवेदनशील इलाकों में भीड़ नियंत्रण, फेरीवालों के लिए निर्धारित स्थान चिन्हित करने तथा स्थानीय प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए व्यवस्थापन करने के निर्देश दिए गए। पानी आपूर्ति विभाग को टैंकर के माध्यम से शिकायत वाले क्षेत्रों में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने, डीप क्लीनिंग के लिए आवश्यक पानी उपलब्ध कराने और जलापूर्ति का समयबद्ध कार्यक्रम सार्वजनिक करने को कहा गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, पुलिस विभाग के साथ समन्वय बढ़ाने और संभावित आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए सभी यंत्रणाओं को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही रमजान के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए टोरेंट पावर को आवश्यक सावधानी बरतने को कहा गया। अस्थायी मीटर दिए जाने की स्थिति में विद्युत सुरक्षा की जिम्मेदारी भी कंपनी पर तय की गई है।

फेरीवाले और विक्रेताओं के नियमन के लिए मार्केट विभाग को आवश्यक अनुमति प्रक्रिया सुनिश्चित करने और वार्ड आधारित व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में तैयारी पूरी करने के निर्देश देते हुए कहा कि रमजान पर्व शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से मनाया जाना चाहिए। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके और नयना ससाणे, सहायक पुलिस आयुक्त रमेश सांगले, उपआयुक्त (कर) बालकृष्ण क्षिरसागर, शहर अभियंता जमील पटेल सहित पुलिस, स्वास्थ्य, स्वच्छता और बाजार विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नासमझी बनी जानलेवाः रफ्तार के रोमांच में छात्रों ने गंवाई जान, कार हादसे में नाबालिगों समेत सात की मौत

बंगलूरू। कर्नाटक के बंगलूरू ग्रामीण जिले में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह स्कूली छात्रों सहित सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा होस्कोटे-दबासपेट हाईवे पर एम. सत्यवारा के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार एसयूवी कई वाहनों से टकरा गई।

परिवार को बिना बताए जॉयराइड पर निकले थे छात्र

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छह छात्र बिना परिवार को बताए एसयूवी लेकर जॉयराइड पर निकले थे। पुलिस के मुताबिक, वाहन कथित तौर पर छात्र अयान अली चला रहा था और कार की रफ्तार करीब 150-160 किमी प्रति घंटा बताई जा रही है। होस्कोटे से देवनहल्ली की ओर जाते समय एसयूवी ने पीछे से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

कैसे हुआ हादसा?

पहली टक्कर के बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन एक कैंटर से जा टकराया, जिससे कई वाहनों की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एसयूवी में सवार छह छात्रों और मोटरसाइकिल

सवार 26 वर्षीय गगन की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार उछलकर साइड क्रैश बैरियर से टकरा गया, जिससे उसकी जान चली गई।

मृतकों की पहचान अहराम शरीफ (16), अश्विन नायर, ईथन जॉर्ज, अयान अली, भरत (सभी 17 वर्ष) और मोहम्मद फरहान शेख (18) के रूप में हुई है, जो कक्षा 10 और 12 के छात्र थे। पुलिस ने बताया कि अयान अली अपने पिता की कार बिना जानकारी के लेकर निकला था।

हादसे की सूचना मिलते ही शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे परिजन होस्कोटे स्थित एमवीजे अस्पताल पहुंचे, जहां शवों की पहचान के दौरान मार्मिक दृश्य देखने को मिले। अधिकांश परिवारों को इस 'जॉयराइड' की कोई जानकारी नहीं थी और वे समझ रहे थे कि उनके बच्चे घर पर सो रहे हैं।

मोटरसाइकिल सवार गगन देवनहल्ली का निवासी था और एक निजी कंपनी में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार, वह नाइट शिफ्ट के बाद घर लौट रहा था और परिवार का एकमात्र सहारा था। उसकी आंशिक दृष्टिबाधित मां बेटे की मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

हाथी ने हमला करके मां को मार डाला, दो बेटे गंभीर रूप से घायल; इलाज कराकर बाइक से लौट रहे थे घर

बहराइच। यूपी के बहराइच में शनिवार को कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के बिछिया-मिहीपुरवा मार्ग पर टस्कर हाथी ने हमला करके महिला को मार डाला। जबकि, उसके दो बेटे घायल हो गए। यह लोग बाइक से निकल रहे थे। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घटना की जानकारी ली।

मूल रूप से लखीमपुर खीरी जिले के पारस पुरवा गांव निवासी मुन्नी देवी (45) पत्नी विक्रम निषाद अपने दो बेटों करन (17) और अर्जुन (15) के साथ बाइक से इलाज के लिए मिहींपुरवा के खालेपुरवा गांव गई थीं। दोपहर बाद करीब 3.00 बजे तीनों मिहीपुरवा-बिछिया हाईवे से होकर वापस घर लौट रहे थे। निशानगाड़ा और बिछिया के बीच सड़क पर अचानक एक टस्कर हाथी सामने आ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाथी ने बाइक पर हमला कर दिया। इससे तीनों सड़क पर गिर गए। राहगीरों के शोर मचाने पर हाथी मौके से हट गया। इसके बाद बिछिया निवासी गोले कुरैशी और आंबा गांव निवासी वारिश अली ने घायलों को सवारी बस से बिछिया स्थित एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचाया।

क्लीनिक में डॉक्टर ने मुन्नी देवी को मृत घोषित कर दिया। महिला के दोनों बेटों के हाथ व शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। क्षेत्र में लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी जा रही है। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

अजय राय बोले- सरकार के नए कानून किसानों का उत्पीड़न कर रहे, 17 फरवरी को कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के विरोध में और किसान उत्पीड़न को लेकर 17 फरवरी को विधानसभा का घेराव किया जाएगा। केंद्र सरकार नए कानून के जरिए किसानों की जमीन छीनने की कोशिश कर रही है। किसानों का हर स्तर पर उत्पीड़न हो रहा है।

उसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। किसान कांग्रेस की ओर से प्रदेशभर में 'किसान अधिकार गांव संवाद' अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत किसान कांग्रेस के पदाधिकारी गांवों में जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। उन्हें भाजपा सरकार की गलत नीतियों की जानकारी देंगे।

शंकराचार्य को पदवी उनके गुरु ने दिया

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जिस तरह से योगी आदित्यनाथ को उनके गुरु ने पीठ सौंपा है। उसी तरह से शंकराचार्य का मनोनयन हुआ है। इस पर सवाल उठाने से पहले उन्हें खुद को देखना चाहिए। आरोप लगाया कि वाराणसी को भाजपा सरकार तबाह कर रही है। घाटों को उजाड़ दिया गया है।

घर के अंदर मिली बुजुर्ग की खून सनी लाश, पुलिस ने दरवाजा तोड़कर निकाला; पत्नी से पूछताछ जारी

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में शनिवार को 65 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। उनका शव घर के पीछे बाउंड्रीवाल के पास खून से लथपथ मिला। खबर फैलने पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना कुड़वार थाना क्षेत्र के मीरापुर गांव की है। गांव निवासी रामतेज की हत्या हुई है। बताया गया कि रामतेज घर पर अकेले रहते थे। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार, उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। सुबह कुछ ग्रामीणों ने घर के पीछे खून फैला देखा। जाकर देखा तो रामतेज का शव पड़ा मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। शव के पास से एक ईंट और एक कुल्हाड़ी मिली है। आशंका है कि इन्हीं हथियारों से वार करके हत्या की गई है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी बात करके जानकारी ली। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि घटना के समय घर में कौन-कौन मौजूद था। क्या कोई पारिवारिक विवाद था?

सीओ सिटी सौरभ सामंत ने बताया कि पीआरवी को सूचना मिली थी कि 65 वर्षीय रामतेज कोरी आज घर से बाहर नहीं निकले हैं। घर का दरवाजा अंदर से बंद है। पीआरवी टीम ने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया। अंदर रामतेज मृत अवस्था में पाए गए। उन्होंने पिछले साल सड़कों पर घूमने वाली 45 वर्षीय महिला को अपनी पत्नी के रूप में रखा था। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मनोरंजन

साई पल्लवी निभाएंगी भारत रत्न विजेता एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की भूमिका!

मुंबईः भारत रत्न से सम्मानित और कर्नाटक संगीत की दिग्गज हस्ती एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी के जीवन पर आधारित फिल्म की गति अब जोर पकड़ रही है। इस फिल्म में साई पल्लवी के महान गायिका की भूमिका निभाने की पूरी संभावना बन रही है। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता गौतम तिन्नानुरी इस फिल्म को बनाएंगे।

हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि साई पल्लवी ने अपने करियर की इस सबसे बड़ी चुनौती की तैयारी के लिए कर्नाटक संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 'जहां गौतम इस विषय पर अपना शोध पूरा कर रहे हैं, वहीं साई पल्लवी महान गायिका को करीब से जानने के लिए उनसे जुड़ी हर उपलब्ध फुटेज देख रही हैं।' फिल्म पर काम इस वर्ष के अंत तक शुरू होने की संभावना है।

सलमान खान स्टारर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का गाना 'मैं हूं' हुआ रिलीज़! दिखेगा वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक सीन

मुंबईः बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान स्टारर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का गाना 'मैं हूं' रिलीज़ हो गया है। 'मातृभूमि' को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, जिसने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 50 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है, अब 'सलमान खान फिल्म्स' ने 'बैटल ऑफ गलवान' से सबसे ज्यादा इंतेज़ार किया जाने वाला वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक 'मैं हूँ' पेश किया है। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह पूरा

गाना अब रिलीज हो चुका है और यह फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से समेटे हुए है। सोशल मीडिया हैंडल पर गाना शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा,'मैं हूँ' एक रिश्ते के भीतर के प्यार को बखूबी दर्शाता है, जिसमें परिवार के साथ बिताए हँसी-खुशी के पलों से लेकर अकेलेपन और खामोश इंतज़ार तक का सफर दिखाया गया है।

यह गाना एक फौजी के परिवार की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बड़ी कोमलता से पेश करता है।घर पर बिताए खुशनुमा दिनों की गर्माहट और फिर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई का वो मीठा सा दर्द। यह इमोशनल बदलाव कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि गाना दिल को छू लेने वाला और बेहद मार्मिक बन जाता है।

अयान लाल, जो इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर भी हैं, उन्होंने एक ऐसी सुकून देने वाली धुन दी है जो गाना खत्म होने के बाद भी ज़हन में बनी रहती है। श्रेया घोषाल और अयान लाल की आवाज़ ने इस ट्रैक की भावनाओं को और भी गहरा बना दिया है।

वहीं, अयान लाल और शब्बीर अहमद के लिखे बोल बहुत ही सटीक और दिल को छू लेने वाले हैं, जो एक फौजी के पीछे खड़े उसके परिवार की कुर्बानियों और उनकी खामोश ताकत को बयां करते हैं। 'बैटल ऑफ गलवान' का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं। यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक सच्ची तस्वीर पेश करने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नज़र आएंगी।

वैलेंटाइन डे पर सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन फर्नांडीज को लिखा लव लेटर, खास तोहफे का किया इंतजाम

वैलेंटाइन डे के मौके पर ठग सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को एक लंबा और भावुक लव लेटर लिखा है। अपने प्यार का इजहार करते हुए सुकेश ने जैकलीन के लिए एक तोहफा भी भेजा है। उसने तोहफे में जैकलीन को एक एयरबस लग्जरी हेलीकॉप्टर गिफ्ट किया है।

सुकेश ने जैकलीन को लिखा लव लेटर

सुकेश ने लेटर में लिखा है 'टू जैकलीन फर्नांडीज ये ठंडी दीवारें लोहे की सलाखों जैसी हैं, जो मुझे आपसे अलग कर रही हैं। यह वैलेंटाइन डे मेरे लिए खास है। मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं, जब हम साथ में जिंदगी के बाकी वैलेंटाइन मना सकेंगे। मैं तुम्हें दुनिया की सबसे अच्छी वैलेंटाइन मानता हूं।'

चंद्रशेखर ने दावा किया कि उसने इस वैलेंटाइन डे पर जैकलीन के लिए एयरबस- एच सीरीज हेलीकॉप्टर का इंतजाम किया है। लेटर में उसने लिखा 'बेबी- मैंने एक खास तोहफे का इंतजाम किया है। यह एक 'एयरबस-एच सीरीज हेलीकॉप्टर' है। यह शानदार सुपर लग्जरी, कस्टम इंटीरियर के साथ खास तौर पर आपके लिए डिजाइन किया गया है। इस पर आपके नाम के पहले अक्षर JF लिखे हैं।'

भारत के लिए खुशखबरी, पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे अभिषेक शर्मा; कप्तान सूर्यकुमार ने दी जानकारी

कोलंबो। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि अभिषेक शर्मा रविवार को कोलंबो में चिर-प्रतिद्वंदी टीम के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। दरअसल, विस्फोटक बल्लेबाज हाल ही में नामीबिया के खिलाफ मैच में भारत की प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उन्हें पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा था। हालांकि, उन्हें छुट्टी मिल गई थी।

अभिषेक की होगी वापसी

टी20 विश्व कप के हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि कर दी है कि इस मैच में अभिषेक शर्मा खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप सब चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा खेले तो हम उसे खिलाएंगे।' मौजूदा टूर्नामेंट में अभिषेक ने अब तक सिर्फ एक मैच खेला है। अमेरिका के खिलाफ वह खाता भी नहीं खोल पाए थे। वहीं, नामीबिया के खिलाफ वह खराब स्वास्थ्य के कारण शामिल नहीं हुए। अब वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी करेंगे।

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक का प्रदर्शन

अभिषेक ने पिछले साल एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ दो टी20 मैचों में 31 और 74 रन बनाए थे, जबकि फाइनल में वह सिर्फ 5 रन पर आउट हुए थे। बावजूद इसके भारत ने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। कम समय में अभिषेक शर्मा भारत के उभरते हुए टी20 सितारे बन गए हैं। 39 मैचों में 1297 रन बनाते हुए उन्होंने दो शतक और आठ अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 135 रन है, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में बनाया था।

'आत्मनिर्भर नहीं, ट्रंप पर निर्भर'; अमेरिका से व्यापार समझौते पर कपिल सिब्बल ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की बात करती है, वह अब ट्रंप पर निर्भर होती नजर आ रही है।

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत की विदेश और आर्थिक नीतियों को अमेरिका के साथ संरेखित करने पर सहमति जताई है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कार्यकारी आदेशों का हवाला देते हुए संकेत दिया गया है कि यदि भारत रूसी तेल की खरीद जारी रखता है तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक टैरिफ फिर से लगाया जा सकता है।

सेवा तीर्थ पर क्या बोले?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन-1 और 2 के उद्घाटन का जिक्र करते हुए सिब्बल ने सवाल किया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री ने देश के प्रति कौन सा कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा कि इमारतें बनाना अच्छी बात है, लेकिन शासन और नीतियों पर जवाबदेही भी जरूरी है।

ट्रेड डील पर क्या दावा?

सिब्बल ने यह भी दावा किया कि सरकार ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान और सेवाएं खरीदने पर सहमति जताई है और इस पूरे समझौते पर प्रधानमंत्री को संसद में आकर स्पष्ट बयान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी चुनाव जीतना जानती है, लेकिन शासन करना नहीं।

नौ दिन की नौटंकीः दुनिया से थू-थू कराने के बाद पाकिस्तान का यू-टर्न, अपने बुने जाल में किस तरह फंसा था पीसीबी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन सफलतापूर्वक न हो सके, इसके लिए पहले बांग्लादेश ने भरपूर कोशिश की और उसके बाद पाकिस्तान ने पूरा जोर लगाया। लेकिन दोनों ही अपने मंसूबों में नाकाम रहे। अब जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में रविवार को टी20 विश्व कप का मुकाबला होने जा रहा है तो यह नहीं भूलने चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान ने ड्रामा किया और अपने ही बुने जाल में फंसता चला गया।

मैच से ज्यादा विवाद की हुई चर्चा

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर हमेशा ही हाइप रहा है, लेकिन इस बार तो मैच की चर्चा प्रतिद्वंद्विता से ज्यादा विवाद की रही। बांग्लादेश मामले पर बीच में कूदते हुए पाकिस्तान ने दुनिया के सामने अपनी थू-थू कराई और नौ दिन की नौटंकी के बाद अपने ही फैसले पर यू-टर्न ले लिया था। भारत और पाकिस्तान की टीमें मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं, लेकिन इससे पहले हम यहां आपको पूरे विवाद के बारे में बता रहे हैं।

बांग्लादेश से हुई विवाद की शुरुआत

बांग्लादेश विवाद की शुरुआत मुस्तफिजुर रहमान से हुई। मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल नीलामी में खरीदे जाने पर विरोध हुआ जिसके बाद बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुस्तफिजुर को बाहर करने कहा। मुस्तफिजुर को आईपीएल से बाहर करने के बाद बांग्लादेश बुरी तरह बौखला गया और उसने उकसाने वाले बयान देने शुरू कर दिए। बीसीबी ने भारत में सुरक्षा का हवाला देकर टी20 विश्व कप के मैच भारत में नहीं खेलने की मांग की। फिर इस मामले

पर जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की एंट्री हुई और क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने मामला सुलझाने की कोशिश की। बांग्लादेश अपने हठ पर बरकरार रहा और आखिरकार आईसीसी ने उसे विश्व कप से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल किया।

बांग्लादेश विवाद में बेवजह कूदा पाकिस्तान

जब बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत से स्थानांतरित कर श्रीलंका में कराने की मांग की थी तब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस पूरे मामले में अचानक कूद पड़ा था। उसने आईसीसी को ईमेल लिखकर कहा था कि वह बांग्लादेश की मांग का समर्थन करता है, जिसमें भारत में मैच खेलने पर सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता जताई गई है।

पीसीबी ने आईसीसी बोर्ड के अन्य सदस्यों को भी ईमेल की कॉपी भेजी। पीसीबी ने साथ ही बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी करने की पेशकश भी की थी। आईसीसी के बीसीबी पर फैसले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाय-तौबा मचाना शुरू कर दिया। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर बांग्लादेश मामले में पक्षपात का आरोप लगाया और संकेत दिया कि उनकी टीम भी विश्व कप का बहिष्कार कर सकती है। इसके बाद मोहसिन नकवी की पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात हुई। इस दौरान नकवी ने शरीफ को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। 1 फरवरी को पाकिस्तान की सरकार ने सोशल मीडिया पर टी20 विश्व कप के लिए टीम भेजने का फैसला किया। पाकिस्तान की सरकार ने यह भी फैसला लिया कि भारत के खिलाफ खेले जाने वाले 15 फरवरी के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम नहीं खेलेगी।

आईसीसी के चाबुक से ढीले पड़ गए पाकिस्तान के तेवर

आईसीसी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया और पाकिस्तान को संभावित कार्रवाई की चेतावनी दे दी थी। पाकिस्तान पर भी लगातार दबाव बढ़ रहा था। अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ नहीं खेलता तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते और करोड़ों रुपये का जुर्माना भरना पड़ता। मामले को सुलझाने के लिए आठ फरवरी को आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा के साथ पीसीबी की बैठक हुई थी। बैठक के बाद यह तय हो गया था कि पाकिस्तान यू-टर्न लेगा और इसके 24 घंटे बाद ही पाकिस्तान सरकार ने मैच खेलने का एलान कर दिया था। इन सबके बीच सवाल यही उठता है कि अगर पाकिस्तान को यू-टर्न ही लेना था तो उसने बहिष्कार का ड्रामा किया ही क्यों?

यूरोप को अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाकर खतरों से निपटने के लिए रहना होगा तैयार, बोले ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि यूरोप की रक्षा क्षमता और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में शक्ति संतुलन का आधार सैन्य शक्ति बन गया है, इसलिए यूरोप को अपनी रक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना होगा। यह बात उन्होंने 62वीं म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कही। इस अहम वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन में 60 से ज्यादा देशों और सरकारों के प्रमुख, लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के शीर्ष नेता व कम से कम 115 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।

स्टार्मर ने स्पष्ट कहा कि यूरोप को संभावित खतरों को रोकने में सक्षम होना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अपने लोगों, मूल्यों और जीवन शैली की रक्षा के लिए लड़ने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उनके मुताबिक, यूरोप को सामूहिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा होना होगा और सुरक्षा के मोर्चे पर आत्मनिर्भरता बढ़ानी होगी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ाने की भी वकालत की। उन्होंने संकेत दिया कि ब्रिटेन को उन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए जहां वह यूरोपीय संघ के सिंगल मार्केट के और करीब आ सकता है। स्टार्मर ने कहा कि रक्षा औद्योगिक सहयोग में 'जेनरेशनल बदलाव' लाने के लिए संयुक्त प्रयास जरूरी हैं।

गहरा आर्थिक एकीकरण सभी पक्षों के हित में है

ब्रेक्जिट के छह वर्ष बाद संबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि अब करीबी आर्थिक तालमेल पर नए सिरे से ध्यान देने का समय है और गहरा आर्थिक एकीकरण सभी पक्षों के हित में है। वहीं, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी यूरोप और ब्रिटेन के बीच अधिक घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए दोनों पक्षों को और करीब आना चाहिए।

महामुकाबले के लिए कोलंबो में सुरक्षा चाक-चौबंद, परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर; पुलिस का कड़ा पहरा

कोलंबो। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का महामुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा। इस मैच के लिए श्रीलंका की राजधानी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, कड़े पहरे के बीच परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।

विशेष ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था लागू कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर श्रीलंका पुलिस ने विशेष ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की घोषणा की है। पुलिस प्रवक्ता एफ. टी. वूटलर ने शनिवार को बताया कि मैच के आयोजन को देखते हुए किसी भी तरह की चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

पाकिस्तान ने किया था बहिष्कार का एलान

भारत और पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला उस समय हो रहा है, जब पिछले कुछ हफ्तों से अनिश्चितता का माहौल बना हुआ था। पाकिस्तान की ओर से बांग्लादेश के समर्थन में मैच के बहिष्कार की घोषणा के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। मामले को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच कई दौर की बातचीत हुई।

श्रीलंका सरकार ने की पहल और मामले को सुलझाने में निभाई भूमिका

श्रीलंका सरकार ने भी संभावित आर्थिक नुकसान को देखते हुए पाकिस्तान से रुख बदलने की अपील की थी। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से बातचीत कर टीम को कोलंबो भेजने का आग्रह किया था, ताकि टूर्नामेंट के सह-मेजबान के रूप में श्रीलंका की तैयारियों पर असर न पड़े।

स्टेडियम के गेट दोपहर 3 बजे से खुलेंगे

यह मुकाबला भारत का टूर्नामेंट में अपने घरेलू मैदान से बाहर पहला मैच होगा। सुरक्षा को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के बीच अब प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस के अनुसार, दोनों टीमों को एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की जाएगी और वापसी तक उनकी निगरानी कड़ी रहेगी। मैच शाम सात बजे शुरू होगा, जबकि स्टेडियम के सभी गेट दोपहर 3 बजे खोल दिए जाएंगे। पुलिस ने दर्शकों से अपील की है कि वे कम से कम चार घंटे पहले पहुंचें, ताकि सुरक्षा जांच में किसी तरह की परेशानी न हो।

पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्याः एस/08/2026

दिनांकः 11.02.2026

अ.क्र.	टेण्डर नं0	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
64	26255110	9 प्रोब सहित डिजिटल अल्ट्रासोनिक डबल रेल टेस्टर	4 Nos	12-Mar-26
65	04253133	रेलवे कोचों के लिए एंडलेस 'V' बेल्ट, साइज C-122	39591 Nos	12-Mar-26
66	04252974	केननामेटल के व्हील प्रोफाइलिंग इन्सर्ट्स	5631 Nos	11-Mar-26
67	22253224A	3D एडजस्टेबल 360 डिग्री रोटेशनल मॉडिफाइड ड्राइवर सीट	722 Nos	09-Mar-26
68	06261064B	ब्लाइंड सॉकेट असेंबली	1089 Nos	07-Mar-26

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना संख्या एस-67-2025 दिनांक 13.11.2025 के क्रमांक 705 पर उल्लिखित अंतिम तिथि को '23.02.2026' के रूप में पढ़ा जाए।

ईएमडी, क्रय प्रतिबंध तथा विस्तृत निविदा शर्तों से संबंधित जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in एवं wr.indianrailways.gov.in पर अवलोकन करें।

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly 1117

मध्य रेल

नागपूर मंडल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना : NGP/L/2026/T/14 Dt: 12-02-2026 वरिष्ठ मं. विद्युत इंजीनियर (सा) मध्य रेलवे नागपुर, कार्यालय डीआरएम बिल्डिंग नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित किए जाते है। **ई-निविदा सूचना और कार्य का नाम:** 8 गुड्स शेड्स पर लेबर रुम, मर्चंट रुम एवं गुड्स ऑफिस के प्रावधान तथा सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में विद्युत कार्य। **अनुमानित लागत रुपये में** ₹73,23,696.57/- (तिहत्तर लाख, तेईस हजार, छह सौ छियानवे और सत्तावन पैसे। **बयाना राशि रुपये में** ₹1,46,500/- **टेंडर डॉक्युमेंट की कीमत रुपये में:** Nil. **कार्य पूर्ण करने की अवधि** 12 माह यह ऑफर 60 दिनों तक खुला रहेगा। **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** 12.03.2026 upto 17:00 Hrs., **निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 12.03.2026 upto 17:15 Hrs.** वेबसाइट:**www.ireps.gov.in** टेंडर से संबन्धित नोटिस वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर मध्य रेल्वे नागपुर, कार्यालय, डीआरएम बिल्डिंग नागपुर में उपलब्ध है। इसके पश्चात किसी भी शुद्धिपत्र को केवल वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 77

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या: DRM-BRC 178 to 179 of 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (WA/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (₹ में)	बोली सुरक्षा जमा कराना (₹ में)
1	DRM BRC 178 of 2025-26.	वडोदरा डिवीजन: DEN (ईस्ट) BRC के अधिकार क्षेत्र में रेलवे कॉलोनी में टाइप II और III स्टाफ क्वार्टर में स्टाफ की अलग-अलग सुविधाओं जैसे किचन फ्लोरिंग, ड्रेनेज लाइन और रूफ ट्रीटमेंट में सुधार।	6,86,34,780.92	4,93,200.00
2	DRM BRC 179 of 2025-26.	वडोदरा डिवीजन: सीनियर DEN (साउथ) के अधिकार क्षेत्र में क्वार्टर में स्टाफ की सुविधाओं (किचन फ्लोरिंग, ड्रेनेज लाइन और रूफ ट्रीटमेंट) में सुधार।	6,86,47,307.89	4,93,200.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय: निविदाएं दि. **06.03.2026** को **15.00 बजे** से पहले जमा कराना है और उसी दिन **15.30 बजे** खोली जाएगी। **वेबसाइट विवरण और सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देख सकते हैं:** वेबसाइट @ **www.ireps.gov.in** मंडल रेल प्रबंधक (WA/C) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390 004. 357

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फोलो करें: twitter.com/WesternRly

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे सेना प्रमुख, आधुनिक युद्ध और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन पर बनेगी नई रणनीति

नई दिल्ली। भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के आधिकारिक दौरे पर जाएंगे। इस दौरे का मुख्य मकसद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा और सामरिक साझेदारी को नई दिशा देना है। यात्रा के दौरान आधुनिक युद्ध, मल्टी-डोमेन ऑपरेशन और संयुक्त सैन्य क्षमता बढ़ाने पर फोकस रहेगा। यह दौरा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों के बढ़ते सुरक्षा सहयोग के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

दौरे के दौरान जनरल उपेंद्र द्विवेदी ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में साझा सुरक्षा हित, संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को और मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। सिडनी में वह फोर्सेस कमांड, स्पेशल ऑपरेशंस कमांड और सेकंड डिवीजन के अधिकारियों से मिलेंगे। इन बैठकों को विशेष सैन्य अभियानों और कमांड स्तर के तालमेल के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कैनबरा में होगा गार्ड ऑफ ऑनर

कैनबरा में सेना प्रमुख का औपचारिक स्वागत किया जाएगा और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद

वह ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट से द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों अधिकारी 2015 में यूएस आर्मी वॉर कॉलेज में साथ पढ़ चुके हैं। इस व्यक्तिगत परिचय को रक्षा सहयोग के लिए सकारात्मक माना जा रहा है। बैठक के बाद ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल मुख्यालय में गोलमेज चर्चा होगी, जिसमें सैन्य आधुनिकीकरण और भविष्य के युद्ध अभियानों पर विचार होगा।

मल्टी-डोमेन और ज्वाइंट ऑपरेशन पर खास जोर

जनरल द्विवेदी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड मुख्यालय का भी दौरा करेंगे। वहां उन्हें ऑस्ट्रेलियाई सेनाओं की एकीकृत और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन क्षमता की जानकारी दी जाएगी। वह ऑस्ट्रेलियाई रक्षा कॉलेज के कमांडर से मिलेंगे और कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित भी करेंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप के अनुसार समन्वय और रणनीति को मजबूत करना है।

पूर्व सैनिकों से करेंगे मुलाकात

दौरे के दौरान सेना प्रमुख ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय पूर्व सैनिकों से भी मुलाकात करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स और रक्षा विभाग के सचिव से शिष्टाचार भेंट करेंगे। हाल के समय में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सैन्य कूटनीति को तेज किया है और वह यूएई व श्रीलंका का दौरा भी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया यात्रा को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

म्यूनिख में एस जयशंकर का दौराः जी7 के विदेश मंत्रियों से मुलाकात में भारत के हितों पर चर्चा

म्यूनिख । भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने जी7 समूह के विदेश मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। यहां उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत साझा हितों पर बात की। जयशंकर ने एक्स पर कुछ तस्वीरों को पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

विदेश मंत्री ने लिखा समुद्री संचार रेखाओं की सुरक्षा, सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले के तौर पर काम करना, बंदरगाह सुरक्षा को मजबूत करने और सबमरीन केबल संरचना के लिए मदद करने में हमारी भूमिका पर बल दिया। इस बातचीत में भारत और जी7 के बीच कई समानताएं और साझा हित पर भी मंथन हुआ।

इसके साथ ही एस जयशंकर ने एक गोलमेज बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, म्यूनिख में आस्पेन के राउंडटेबल 'दिल्ली डिसाइड्सः मैपिंग इंडियाज पॉलिसी कैलकुलस' के साथ अहम बैठक की। बहुध्रुवीय मांगों को पूरा करने के लिए एक तेज और बेजोड़ विदेश नीति की जरूरत पर जोर दिया। इस संबंध में इंडिया-ईयू एफटीए और इंडिया-यूएस ट्रेड डील के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया।

अनंता आस्पेन ने भी एक्स पोस्ट पर विदेश मंत्री का आभार जताते हुए जानकारी दी कि चर्चा में भारत की विकास रणनीति, मुख्य सहयोगी के सामने मौजूद विकल्प, और वैश्विक गतिशीलता में आए बदलाव के साथ सामरिक स्वायत्तता क्यों एक स्थिर सहारा बनी हुई है।

अनंता आस्पेन सेंटर भारत में स्थित एक प्रमुख गैर-लाभकारी और गैर-पक्षपाती संगठन है। इसे 2004 में स्थापित किया गया था। यह मूल्य-आधारित नेतृत्व और भारत के विकास से जुड़े सामाजिक-आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा को बढ़ावा देता है। यह आस्पेन इंस्टीट्यूट, यूएसए, और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से काम करता है।

तेलंगाना निकाय चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत, राहुल गांधी बोले- जनता ने हमारी नीतियों पर लगाई मुहर

हैदराबाद। तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत को लेकर पार्टी ने इसे राज्य सरकार की जनहित वाली नीतियों की मंजूरी बताया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह नतीजा साफ दिखाता है कि जनता ने सामाजिक न्याय, सम्मान और सबको साथ लेकर विकास की सोच को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत सीधे तौर पर लोगों के भरोसे की जीत है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों के बाद बयान जारी कर कहा कि तेलंगाना निकाय चुनाव में जीत कांग्रेस सरकार की 'पीपल-फर्स्ट' यानी जनता को प्राथमिकता देने वाली नीतियों की पुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य 'प्रजाला तेलंगाना' बनाना है, जहां विकास का लाभ हर परिवार तक पहुंचे। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जीत जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता की है।

निकाय चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन

तेलंगाना में 11 फरवरी को 116 नगरपालिकाओं के 2,582 वार्डों में मतदान हुआ था। आए नतीजों में कांग्रेस ने 1,300 से ज्यादा वार्डों पर जीत दर्ज की। यह सबसे बड़ा आंकड़ा रहा। भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस करीब 700 वार्डों पर रही। वहीं भाजपा ने भी मौजूदगी दर्ज कराते हुए लगभग 275 वार्ड जीते। इस तरह कांग्रेस ने स्पष्ट बढ़त के साथ स्थानीय निकायों में मजबूत पकड़ बनाई।

रेवंत रेड्डी सरकार को मिला बल

इन नतीजों को ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के लिए बड़ा राजनीतिक बल माना जा रहा है। निकाय चुनाव को अक्सर सरकार के कामकाज पर जनता की सीधी राय के रूप में देखा जाता है। कांग्रेस की बड़ी जीत से यह संकेत गया है कि शहरी और स्थानीय स्तर पर पार्टी का आधार मजबूत हुआ है। बीआरएस और भाजपा ने भी कई क्षेत्रों में जीत दर्ज की, लेकिन कुल बढ़त कांग्रेस के पक्ष में रही।

खरगे ने भी जताया आभार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी नतीजों पर प्रतिक्रिया दी और इसे जनता के भरोसे का जनादेश बताया। खरगे ने कहा कि तेलंगाना की जनता ने सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और निरंतर प्रगति के एजेंडे पर विश्वास जताया है। उन्होंने राज्य के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जीत के लिए बधाई दी और कहा कि पार्टी अपने वादों पर मजबूती से आगे बढ़ेगी।

अयप्पा संगमम ऑडिट को लेकर केरल सरकार पर बरसी कांग्रेस, कहा- सबरीमाला में 'सोने की चोरी' जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल में हाल ही में हुए ग्लोबल अय्यप्पा संगमम के ऑडिट रिपोर्ट को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। विपक्षी कांग्रेस ने राज्य की वामपंथी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यह मामला सबरीमाला में हुए कथित सोना चोरी प्रकरण की ही कड़ी है।

क्या है पूरा मामला?

ग्लोबल अय्यप्पा संगमम का आयोजन पिछले साल पंबा में किया गया था। यह कार्यक्रम त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) की प्लेटिनम जुबली समारोह के तहत हुआ था, जो सबरीमाला श्री अय्यप्पा मंदिर का प्रबंधन करता है। हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने इस कार्यक्रम की ऑडिट रिपोर्ट में कई गड़बड़ियों और गंभीर असंगतियों की बात कही और टीडीबी तथा राज्य ऑडिट विभाग से स्पष्टीकरण मांगा।

कांग्रेस ने क्या लगाया आरोप?

विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और अन्य

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के लिए अलग खाते रखने के हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद करोड़ों रुपये की गड़बड़ी हुई। यह अनियमितताएं सबरीमाला के कथित सोना चोरी मामले जैसी ही हैं। इस कार्यक्रम में भारी खर्च दिखाया गया, जबकि वास्तविक भागीदारी कम थी। सरकार और देवस्वोम बोर्ड दोनों इस कथित घोटाले के लिए जिम्मेदार हैं।

सतीशन ने दावा किया कि नाश्ता 4000 लोगों, दोपहर का भोजन 5000 और रात का खाना 3000 लोगों को देने का हिसाब दिखाया गया, जबकि इतने लोग कार्यक्रम में आए ही नहीं। मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड लगाकर कार्यक्रम का राजनीतिक प्रचार किया गया। स्पॉन्सरशिप से करोड़ों रुपये जुटाए गए, लेकिन उनका पूरा हिसाब नहीं दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि भगवान अय्यप्पा के नाम पर ऐसी कथित धोखाधड़ी क्यों की गई और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

विपक्ष के आरोपों पर सरकार का जवाब

वहीं इस मामले में देवस्वोम मंत्री वीएन वासवन ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कार्यक्रम के लिए दिया गया तीन करोड़ रुपये का एडवांस पूरी तरह वापस मिल चुका है। विधानसभा में उन्होंने कोई गलत आंकड़ा पेश नहीं किया। कांग्रेस नेताओं को जनता से माफी मांगनी चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप की ज़ेलेंस्की को कड़ी चेतावनी, रसिया से समझौता करो, वरना बड़ा मौका गंवा दोगे

वांशिगटन। कूटनीति का विकल्प एक बार फिर सामने आ चुका है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का धैर्य अब जवाब दे रहा है। शुक्रवार को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की पर रूस के साथ समझौता करने के लिए दबाव फिर से बढ़ा दिया, जबकि अमेरिका अगले सप्ताह दोनों देशों के दूतों के साथ वार्ता के एक और दौर की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा रूस समझौता करना चाहता है और ज़ेलेंस्की को अब कदम उठाना होगा, अन्यथा वे एक बड़ा अवसर खो देंगे। उन्हें कदम उठाना ही होगा। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब वाशिंगटन मंगलवार और बुधवार को जिनेवा में होने वाली वार्ताओं की तैयारी कर रहा है। ज़ेलेंस्की के संचार सलाहकार दिमित्रो लिटविन ने आगामी वार्ताओं की पुष्टि की है।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, ये वार्ताएं अबू धाबी में अमेरिका के नेतृत्व में हुई पिछली बैठकों के बाद हो रही हैं, जो यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र के भविष्य सहित कई प्रमुख मतभेदों को दूर करने

में विफल रहीं। डोनबास क्षेत्र का अधिकांश भाग अभी भी रूस के नियंत्रण में है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार व्लादिमीर मेदिंस्की मॉस्को प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए लौटेंगे। यूक्रेन की टीम का नेतृत्व एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख रुस्तम उमेरोव करेंगे। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हुआ कि जिनेवा दौर की वार्ता में कौन से अमेरिकी अधिकारी शामिल होंगे। पिछली वार्ताओं में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल थे।

राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है

ट्रम्प ने कई बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति निराशा व्यक्त की है, लेकिन ज़ेलेंस्की की अधिक बार आलोचना की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि कीव समझौता करने के प्रयासों में देरी कर रहा है। ज़ेलेंस्की ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका ने समझौते के लिए जून की समय सीमा तय की है। ट्रंप द्वारा पहले दी गई समय सीमाएँ बिना किसी बड़े परिणाम के बीत चुकी हैं। इस बीच, ज़ेलेंस्की शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के लिए म्यूनिख में थे, जहाँ उन्होंने जर्मन अधिकारियों से मुलाकात की और एक यूक्रेनी-जर्मन ड्रोन उत्पादन संयंत्र का दौरा किया। जर्मनी यूक्रेन के प्रमुख सैन्य समर्थकों में से एक है।

बांग्लादेश में बीजेपी की जीत ने चौंकाया, 6 सीटों पर खिला 'कमल', 'हाथ' का हुआ सूपड़ा साफ

ढाका। बांग्लादेश चुनावों में बीजेपी ने निश्चित रूप से एक सीट जीती है। लेकिन, इससे पहले कि आप कहें 'बीजेपी है तो मुमकिन है', एक छोटी सी बात ध्यान देने वाली है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीजेपी नहीं है, बल्कि बांग्लादेश जातीय पार्टी है, जिसका संक्षिप्त नाम भारत की सत्तारूढ़ पार्टी से मिलता-जुलता है। सोशल मीडिया पर भी भ्रम की स्थिति बनी रही, जहां कुछ लोगों ने बांग्लादेशी पार्टी को भारत की बीजेपी समझ लिया।

बांग्लादेश की बीजेपी तारिक रहमान की बीएनपी की सहयोगी है। बीएनपी ने शुक्रवार को हुए चुनावों में शानदार जीत हासिल करते हुए 209 सीटें जीतीं और दो दशकों बाद बांग्लादेश में सत्ता में वापसी की। तारिक रहमान के अगले प्रधानमंत्री बनने की संभावना है। बीजेपी और बीएनपी के अन्य सहयोगी दलों ने 4 सीटें जीतकर कुल सीटों की संख्या 212 कर ली है। बीजेपी को केवल एक सीट मिली है - बारिसल मंडल का भोला-1 (सदर) निर्वाचन क्षेत्र। पार्टी प्रमुख, वकील अंदलीव रहमान पार्थो ने लगभग 30,000 वोटों के अंतर से दूसरी बार यह सीट जीती है। उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार नजरुल इस्लाम को हराया। आधिकारिक

परिणामों के अनुसार, पार्थो को 1,05,543 वोट मिले जबकि जमात के उम्मीदवार को 75,337 वोट प्राप्त हुए।

रहमान पार्थो कौन हैं?

20 अप्रैल, 1974 को जन्मे पार्थो बांग्लादेश की राजनीति के उन युवा चेहरों में से एक हैं, जिन्होंने 2008 में भोला-1 सीट से पहली बार जीत हासिल करने के बाद प्रसिद्धि पाई। उस समय वे बांग्लादेश के सबसे युवा विपक्षी नेता और सांसद थे। उनके पिता, नाज़िउर रहमान मंज़ूर, एक स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बाद में, उन्होंने मंत्री पद संभाला और ढाका के मेयर भी रहे। उन्होंने जातीय पार्टी से अलग होकर 2001 में बांग्लादेश जातीय पार्टी की स्थापना की। पार्थो धानमंडी में पले-बढ़े और एलएलबी की पढ़ाई के लिए लंदन गए। 2008 में अपने पिता के निधन के बाद उन्होंने बीजेपी अध्यक्ष का पदभार संभाला। शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद पहली बार हुए इस साल के चुनावों से पहले प्रचार के दौरान, पार्थो ने निर्वाचन क्षेत्र को 'तिलोत्तमा' यानी एक सुंदर और आधुनिक शहर में बदलने का वादा किया था। उन्होंने भोला-बरिशाल पुल, एक मेडिकल कॉलेज और घरों में गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने का भी वादा किया था।

तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी को बुलाने की तैयारी, बीएनपी के टॉप लीडर ने दिया बयान

ढाका। पड़ोसी देशों में एक महत्वपूर्ण राजनयिक घटनाक्रम में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी ने बांग्लादेश चुनावों में अपनी जीत के बाद अपने नेता तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने की योजना बनाई है।

मामले से परिचित सूत्रों ने बताया कि समारोह में क्षेत्रीय राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करने की तैयारियां चल रही हैं, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी के प्रमुख आमंत्रितों में शामिल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री की तारिक रहमान से बातचीत।

यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा तारिक रहमान से हुई बातचीत की सार्वजनिक पुष्टि के एक दिन बाद सामने आया है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा तारिक रहमान से बात करके बहुत खुशी हुई। मैंने उन्हें बांग्लादेश चुनावों में उनकी शानदार जीत पर बधाई दी।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों में अपनी शुभकामनाएं और समर्थन व्यक्त किया। द्विपक्षीय संबंधों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों वाले दो करीबी पड़ोसियों के रूप में, मैंने दोनों देशों की जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह पोस्ट रहमान के आधिकारिक हैंडल से टैग की गई थी।

सूत्रों के अनुसार, बीएनपी नेतृत्व शपथ ग्रहण समारोह के लिए सभी प्रमुख क्षेत्रीय राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण देने पर विचार कर रहा है, ताकि इस कार्यक्रम को राजनयिक संपर्क के मंच के रूप में स्थापित किया जा सके।

यदि निमंत्रण औपचारिक रूप से भेजा जाता है और स्वीकार कर लिया जाता है, तो ढाका में नए राजनीतिक नेतृत्व के तहत भारत-बांग्लादेश संबंधों में मोदी की उपस्थिति एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। शपथ ग्रहण समारोह की तिथि या किसी भी विदेशी नेता की उपस्थिति की पुष्टि के संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प की आव्रजन नीति बनी वजह, यूएस होमलैण्ड सुरक्षा पर लटकी शटडाउन की तलवार

वांशिगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आव्रजन प्रवर्तन एजेंडे पर नए प्रतिबंधों को लेकर सांसदों की बहस के चलते इस सप्ताहांत संघीय सरकार के कुछ हिस्सों में एक और शटडाउन होने की आशंका है। गृह सुरक्षा विभाग के लिए धनराशि शनिवार को समाप्त होने वाली है। डेमोक्रेट्स का कहना है कि जब तक मिनियापोलिस में पिछले महीने एलेक्स प्रीटी और रेनी गुड की घातक गोलीबारी के बाद संघीय आव्रजन अभियानों पर नए प्रतिबंध नहीं लगाए जाते, तब तक वे अतिरिक्त धनराशि को मंजूरी देने में सहयोग नहीं करेंगे। व्हाइट हाउस डेमोक्रेट्स के साथ बातचीत कर रहा था, लेकिन दोनों पक्ष सप्ताह के अंत तक किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहे, जिससे यह तय हो गया कि विभाग के लिए धन राशि समाप्त हो जाएगी।

पिछले साल शरद ऋतु में हुए रिकॉर्ड 43 दिनों के शटडाउन के विपरीत, इस बार बंदी सीमित दायरे में ही होगी, क्योंकि केवल डीएचएस के अंतर्गत आने वाली एजेंसियां - जैसे आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा - ही प्रभावित होंगी।

फिर भी, शटडाउन की अवधि के आधार पर, कुछ संघीय कर्मचारियों को वेतन मिलने में देरी हो सकती है। अगर लॉकडाउन कई हफ्तों तक चलता है, तो हवाईअड्डों पर यात्रियों की जांच जैसी सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) में लगभग 95इ कर्मचारियों को आवश्यक सेवाओं में शामिल किया गया है। वे देश के वाणिज्यिक हवाई अड्डों पर यात्रियों और उनके सामान की जांच करना जारी रखेंगे। लेकिन जब तक वित्तीय संकट का समाधान नहीं हो जाता, तब तक वे बिना वेतन के काम करेंगे, जिससे यह संभावना बढ़ जाती है कि कर्मचारी छुट्टी लेंगे या बिना पूर्व सूचना के अवकाश पर जाएंगे। पिछले साल भी कई टीएसए कर्मचारियों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा था। टीएसए प्रशासक के कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी हा गुयेन मैकनील ने कहा, कुछ लोग अभी 43 दिनों के बंद के वित्तीय प्रभाव से उबर रहे हैं। कई लोग अभी भी इससे उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

होमलैंड सिक्योरिटी का कामकाज क्यों ठप किया जा रहा है?

असल में, इसकी वजह यह है कि ट्रंप ने डेमोक्रेट्स की उस मांग को मान लिया है जिसमें होमलैंड सिक्योरिटी के लिए आवंटित धनराशि को व्यापक बजट से अलग करने की बात कही गई थी। ऐसा इसलिए किया गया ताकि आव्रजन प्रवर्तन में बदलाव की मांगों पर बातचीत के लिए अधिक समय मिल सके, जैसे कि संघीय एजेंटों के लिए आचार संहिता और अधिकारियों के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य करना। होमलैंड सिक्योरिटी के लिए अस्थायी रूप से केवल 13 फरवरी तक ही धनराशि आवंटित की गई थी। बाकी संघीय सरकार के लिए धनराशि 30 सितंबर तक ही उपलब्ध है। इसका मतलब है कि खाद्य सहायता सहित अधिकांश संघीय कार्यक्रम इस नवीनतम कामकाज ठप होने से अप्रभावित रहेंगे, और अधिकांश संघीय कर्मचारियों और सैन्य कर्मियों का वेतन निर्बाध रूप से मिलता रहेगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)